राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 24 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-215 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

(तीसरा दिन) चन्द्रघण्टा

पिण्डजप्रवरारूढ़ा चण्डकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तने महां चन्द्रघण्टेति विश्रुता।।

माँ दुर्गा जी की तीसरी शक्ति का नाम 'चन्द्रघण्टा' है। नवरात्रि उपासना में तीसरे दिन इन्हीं के विग्रह का पूजन-आराधना किया जाता है। इनका यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इनके मस्तक में घण्टे के आकार का अर्धचन्द्र हैं, इसी कारण से इन्हें चन्द्रघण्टा देवी कहा जाता है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। इनके दस हाथ हैं। इनके दसों हाथों में खड्ग आदि शस्त्र तथा बाण आदि अस्त्र विभूषित हैं। इनका वाहन सिंह है। इनकी मुद्रा युद्ध के लिये उद्यत रहने की होती है। इनके घण्टे सी भयानक चण्डध्वनि से अत्याचारी दानव-दैत्य-राक्षस सदैव प्रकम्पित रहते हैं।

नवरात्र की दुर्गा उपासना में तीसरे दिन की पूजा अत्याधिक महत्व है। इस दिन साधन का मन 'मणिपुर' चप्र में प्रविष्ट होता है। माँ चन्द्रघण्टा की कृपा से उसे अलौकिक वस्तुओं के दर्शन होते हैं। दिव्य सुगन्ध्यां का अनुभव होता है तथा विविध प्रकार की दिव्य ध्वनियां सुनायी देती हैं। ये क्षण साधक के लिये अत्यन्त सावधान रहने के होते हैं।

मशहूर सिंगर जुबीन गर्ग पंचतत्व में विलीन... पत्नी गरिमा के चेहरे ने लोगों को झकझोर दिया

मुंबई (एजेंसी)। असम के मशहूर सिंगर जुबीन गर्ग पंचतत्व में विलीन हुए। जुबीन का 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में निधन हो गया था। वहीं अब मंगलवार को असम के कमरकुची गांव में उनका अंतिम संस्कार हुआ। जुबीन की चिता को उनकी बहन पाल्मी बोरठाकुर ने मुखाग्नि दी। आंखों में आंसू, उनकी सुरीली आवाज और ढेर सारी यादों के बीच उनके चाहने वालों ने उन्हें विदाई दी। इस बीच उनकी पत्नी गर्ग के पार्थिव शरीर के पास हाथ जोड़कर बैठीं उनकी पत्नी गरिमा गर्ग की झलकियां दिल दुखाने वाली हैं। गरिमा अपने पति के पार्थिव शरीर के सामने हाथ जोड़कर बैठी रहीं और उनके चहरे पर वहां शून्य भी नजर आ रहा था जो पिछले 5 दिनों से वे महसूस कर रही होंगी। पति की चिता के सामने हाथ जोड़कर प्रार्थना करतीं उनकी पत्नी गरिमा की ये झलक हर किसी को रुला गईं। बताया जाता है कि वहां श्मशान में मौजूद गर्ग के फैंस उनका गाना मायोबीनी गाते रहे जो जुबीन के आइकॉनिक सांग में से एक गिना जाता है। बता दें कि जुबीन गर्ग की अंतिम यात्रा गुवाहाटी के अर्जुन भोगेश्वर बरुआ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से श्मशान घाट के लिए शुरू हुई। गर्ग के पार्थिव शरीर को कांच के ताबूत में रखा गया था और पारंपरिक असमिया गमोसा में लपेटकर फूलों से सजी एम्बुलेंस में ले जाया गया। वाहन के सामने गायक की एक बड़ी तस्वीर लगाई गई। गौरतलब है कि बता दें कि मशहूर सिंगर जुबिन का 19 सितंबर को सिंगापुर में निधन हो गया। सिंगर स्कूबा डाइविंग करने गए थे, इसी दौरान एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी... अदालतें वसूली एजेंट की तरह काम नहीं कर सकतीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी में कहा है कि अदालतें वसूली एजेंट की तरह काम नहीं कर सकतीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दीवानी विवादों को आपराधिक मामलों में बदलने की बढ़ती प्रवृत्ति गलत है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने उत्तर प्रदेश के मामले की सुनवाई के दौरान की, जिसमें पैसों की वसूली के लिए अपहरण का आरोप लगाया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रवृत्ति की कड़ी निंदा की कि लोग पैसों की वसूली के लिए दीवानी विवादों को आपराधिक मामलों में बदल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बकाया राशि वसूलने के लिए गिरफ्तारी की धमकी का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने अदालत को बताया कि पुलिस इसतरह के मामलों में दुविधा में फंस जाती है। अगर वह एफआईआर दर्ज नहीं करती, तब फटकार मिलती है और अगर करती है, तब पुलिस पर पक्षपात का आरोप लगता है। शीर्ष अदालत ने पुलिस को सलाह दी कि गिरफ्तारी से पहले यह तय करने के लिए अपने विवेक का इस्तेमाल करें कि मामला दीवानी है या आपराधिक।

सिनेमाई प्रतिभा का उत्सव बना 71वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोहः

शाहरुख़ और रानी को मिला पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, दादासाहेब फाल्के अवार्ड से नवाजे गए मोहनलाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह का आयोजन आज (23 सितंबर, 2025) नई दिल्ली के विज्ञान भवन में किया गया है, राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भारतीय सिनेमा जगत के सबसे प्रेस्टीजियस अवार्ड्स में से एक माना जाता हैं। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित इस पुरस्कार समारोह में हर साल भारतीय फिल्म कलाकारों को उनके अनूठे काम के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और अवार्ड से सम्मानित किया जाता है।

बता दें कि शाहरुख खान, रानी मुखर्जी से लेकर मोहनलाल समेत कई बड़े सितारे अपने पुरस्कार ग्रहण करने दिल्ली पहुंचे। यह पुरस्कार भारतीय फिल्म कलाकारों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया गया। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2023 के नामों की घोषणा 1 अगस्त, 2025 को की गई थी।

करण जौहर ने मंगलवार को कहा कि 2023 में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय संपूर्ण मनोरंजक फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने पर वह दिल से बहुत आभारी हैं और इसे लेकर उनके दिल में बहुत उत्साह और जोश है। 'कुछ कुछ होता है', 'कल हो ना हो', 'माई नेम इज खान' जैसी हिट फिल्मों के लिए मशहूर निर्माता-निर्देशक, राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण करने के लिए दिल्ली में हैं।

उन्होंने राष्ट्रीय पुरस्कार के 'रेड कार्पेट' पर दूरदर्शन को बताया, ''यह मेरा लगातार तीसरा राष्ट्रीय पुरस्कार है। 2021 में हमें यह 'शेरशाह' के लिए मिला था और 2022 में हमें 'ब्रह्मास्त्र' के लिए सर्वश्रेष्ठ वीएफएक्स और इस साल का सबसे संपूर्ण और लोकप्रिय मनोरंजन (पुरस्कार) मिला है। इस समय मैं बहुत जोश में हूं। इसके लिए मैं बहुत आभारी हूं।''

आलिया भट्ट और रणवीर सिंह अभिनीत 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से 2016 में आई 'ऐ दिल है मुश्किल' के बाद जौहर ने निर्देशन में वापसी की है। यह जौहर का लगातार तीसरा और कुल चौथा राष्ट्रीय पुरस्कार है। यह जौहर के लिए एक चक्र के पूरा होने जैसा है कि क्योंकि उन्हें अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'कुछ कुछ होता है' के लिए इसी श्रेणी में नामांकित किया गया था।

फिल्म निर्माता ने कहा, ''जब भी हमें राष्ट्रीय पुरस्कार मिलता है, मुझे लगता है कि मैंने जूरी और दर्शकों का दिल जीतने और इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कुछ तो सही किया है। जूरी के प्रति बहुत बहुत सम्मान और आभार। मैं उत्साहित हूं, हमें जिस श्रेणी में पुरस्कार मिल रहा है उसमें तीन शब्द हैं, 'संपूर्ण', 'लोकप्रिय' और 'मनोरंजक', तो

एक निर्देशक को और क्या चाहिए? यह और भी खास है क्योंकि मेरा पहला राष्ट्रीय पुरस्कार इसी श्रेणी में 'कुछ कुछ होता है' (पहली फिल्म) के लिए मिला था। इसलिए 27 साल बाद उसी श्रेणी में आना मेरे लिए एक भावुक क्षण है।''

वर्ष 2021 में जौहर ने 'शेरशाह' के लिए विशेष जूरी पुरस्कार जीता, 2022 में उन्होंने 'ब्रह्मास्त्र-भाग एक - शिवा' के लिए सर्वश्रेष्ठ वीएफएक्स का विशेष पुरस्कार जीता और इस साल 'रॉकी और रानी...' के लिए वर्ष का सबसे संपूर्ण और लोकप्रिय मनोरंजक फिल्म का पुरस्कार जीता। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का निर्माण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने किया था।

स्टार्टअप्स कॉन्क्लेव पीएम मोदी के माइंड टू मार्केट विचार को साकार करने का मंच बनेगा: अमित शाह

- भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी स्टार्टअप इकोसिस्टम बना - पिछले एक दशक में 380प्र. वृद्धि

गांधीनगर (एजेंसी)। 'स्टार्टअप कॉन्क्लेव-2025' का गांधीनगर में उद्घाटन करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह कॉन्क्लेव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के माइंड टू मार्केट विचार को साकार करने का मंच सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में पिछले एक दशक में स्टार्टअप्स की संख्या में 380प्र. से अधिक की वृद्धि दर के साथ आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी स्टार्टअप और डिजिटल इकोसिस्टम बन चुका है। दो दिवसीय 'स्टार्टअप कॉन्क्लेव और एग्जीबिशन-2025' का शुभारंभ केंद्रीय गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में किया। स्टार्टअप प्रदर्शनी का उद्घाटन कर उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और उद्यमियों से संवाद कर उन्हें प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री ऋषिकेश पटेल और उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत भी उपस्थित थे।

* स्टार्टअप क्रांति का श्रेय युवाओं को

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में केवल 500 स्टार्टअप और 4 यूनिकॉर्न थे। प्रधानमंत्री मोदी के प्रोत्साहन के कारण आज भारत में 1.92 लाख से अधिक स्टार्टअप और 120 से ज्यादा यूनिकॉर्न सक्रिय हैं, जिनकी कुल वैल्यू 350 बिलियन डॉलर से भी अधिक है। नतीजतन भारत का युवा अब जॉब सीकर से जॉब गिवर बन रहा है। उन्होंने उद्यमियों और निवेशकों से भी इस क्षमता का लाभ उठाने का आह्वान किया।

* सात सत्रों में विचार-विमर्श

स्टार्टअप कॉन्क्लेव की दूसरी आवृत्ति को लेकर उन्होंने कहा कि दो दिनों तक सात सत्रों में भारत को हर क्षेत्र में शीर्ष पर ले जाने और नागरिकों के जीवन में समयानुकूल परिवर्तन लाने हेतु चिंतन और समाधान पर चर्चा होगी। वर्ष 2023 में पहली आवृत्ति की सफलता के बाद यह दूसरी आवृत्ति देश-प्रदेश के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में सहायक होगी।

* वैश्विक नवाचार सूचकांक में छलांग

* उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत 91वें स्थान पर था, जो प्रधानमंत्री मोदी की निर्णायक नीतियों के परिणामस्वरूप वर्ष 2025 में 38वें स्थान पर पहुंच गया। अगले तीन वर्षों में भारत को शीर्ष 10 देशों में स्थान दिलाने में यह कॉन्क्लेव महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

* भारतीय ज्ञान और युवा नवाचार

भारतीय ज्ञान प्रणाली में स्वास्थ्य, विज्ञान, गणित और दर्शनशास्त्र सहित अपार ज्ञान संचित है। यह धरोहर युवाओं के स्टार्टअप्स की मजबूत नींव बनेगी। प्रधानमंत्री के शब्दों को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि भारत में लाखों समस्याएँ हैं, लेकिन अरबों समस्या-समाधानकर्ता भी हैं। ऐसे आयोजन युवाओं को नवाचार और क्रिएटिविटी का मंच देंगे और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करेंगे।

* महिलाओं और छोटे शहरों की अहम भूमिका

2014 से पहले टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्टार्टअप्स नगण्य थे। आज देश के 37त्न स्टार्टअप्स वहीं से आते हैं। कुल स्टार्टअप्स में 48त्न महिलाओं द्वारा स्थापित हैं। उत्तर-पूर्व में लगभग 900 महिला-प्रबंधित स्टार्टअप आत्मनिर्भर भारत में योगदान दे रहे हैं। अब तक लगभग 17.90 लाख लोगों को रोजगार मिला है। हर वर्ष टियर-2 और टियर-3 शहरों में लगभग 9,000 नए स्टार्टअप शुरू होते हैं।

आप नेता सत्येंद्र जैन पर ईडी ने की बड़ी कार्रवाई, 7.44 करोड़ की संपत्ति को किया जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के पूर्व मंत्री और आप नेता सत्येंद्र कुमार जैन द्वारा कथित रूप से नियंत्रित कंपनियों से जुड़ी 7.44 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क की हैं। यह कार्रवाई 15 सितंबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई। एजेंसी की मनी लॉन्ड्रिंग जाँच 2017 में दर्ज सीबीआई के एक मामले से शुरू हुई है, जिसमें जैन पर फरवरी 2015 से मई 2017 के बीच आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार में मंत्री रहते हुए आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया गया था। सीबीआई ने दिसंबर 2018 में उनके, उनकी पत्नी पूनम जैन और अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। मार्च 2022 में, ईडी ने इस मामले में 4.81 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी और अभियोजन पक्ष की शिकायत दर्ज की थी, जिस पर बाद में दिल्ली की एक अदालत ने संज्ञान लिया था। नवीनतम कार्रवाई के साथ, अब कुर्की की कुल राशि 12.25 करोड़ रुपये हो गई है - एजेंसी के अनुसार यह राशि जैन द्वारा कथित रूप से अर्जित आय से अधिक संपत्ति के पूरे मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है।

ईडी के अनुसार, नवंबर 2016 में नोटबंदी के तुरंत बाद, सत्येंद्र जैन के करीबी सहयोगियों अंकुश जैन और वैभव जैन ने आय प्रकटीकरण योजना (आईडीएस) के तहत अग्रिम कर के रूप में 7.44 करोड़ रुपये नकद जमा किए थे। उन्होंने चार कंपनियों के नाम पर 16.53 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की थी, जिनके बारे में अधिकारियों ने बाद में निर्धारित किया कि वे सत्येंद्र जैन के स्वामित्व और नियंत्रण में थीं। आयकर विभाग और दिल्ली उच्च न्यायालय दोनों ने ही जैन के सहयोगियों को बेनामी धारक माना था, तथा उनकी अपीलों को खारिज करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस निष्कर्ष को बरकरार रखा था।

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा- बेरोज़गारी और वोट चोरी एक-दूसरे से जुड़े मुद्दे

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बेरोज़गारी को देश के युवाओं की सबसे बड़ी समस्या बताते हुए इसे सीधे तौर पर वोट चोरी मामले से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि जब तक चुनाव ईमानदारी से नहीं होंगे, तब तक बेरोज़गारी और भ्रष्टाचार भी बढ़ते रहेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवाओं के भविष्य की चिंता करने के बजाय सिर्फ अपनी छवि चमकाने, सेलिब्रिटीज़ से प्रशंसा बटोरने और अरबपतियों के मुनाफे बढ़ाने में व्यस्त रहते हैं। उन्होंने कहा, कि भारत का युवा मेहनत करता है, सपने देखता है, लेकिन यह सरकार उसकी उम्मीदें तोड़ रही है। अब युवा न नौकरी की लूट सहेंगे, न वोट की चोरी। कांग्रेस नेता ने युवाओं से आह्वान किया कि असली लड़ाई सिर्फ नौकरियों की नहीं, बल्कि वोट चोरी के खिलाफ है। उन्होंने इसे देशभक्ति से जोड़ा और कहा कि भारत को बेरोज़गारी और वोट चोरी से मुक्त करना ही आज सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि जब कोई सरकार जनता का विश्वास जीतकर सत्ता में आती है, तो उसका पहला कर्तव्य युवाओं को रोज़गार और अवसर देना होता है। लेकिन बीजेपी, उनके अनुसार, चुनाव ईमानदारी से नहीं जीतती बल्कि वोट चोरी और संस्थाओं को कैद करके सत्ता में बनी रहती है। उन्होंने बेरोज़गारी को 45 साल के उच्चतम स्तर पर बताया और भर्ती प्रक्रियाओं में भ्रष्टाचार और पेपर लीक की घटनाओं को युवाओं के भविष्य के लिए सबसे बड़ी बाधा कहा।

पूर्वी चंपारण में एनडीए कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल हुये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज पूर्वी चंपारण जिला के बंजरिया थाना, चौलाहा बाजार मैदान में एनडीए कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी यहां बड़ी संख्या में उपस्थित हुए हैं, आपका अभिनंदन करता हूं। वर्ष 2005 से बिहार को आगे बढ़ाने में हमलोग निरंतर लगे हुए हैं। आप सब जानते हैं कि पहले की सरकार ने कोई काम नहीं किया। पहले बिहार का बहुत बुरा हाल था। विकास का कोई काम नहीं होता था, जबकि जनता ने 15 साल उनलोगों को मौका दिया। उस समय शाम के बाद लोग घरों से बाहर निकलने में डरते थे। समाज में काफी विवाद होता था। पढ़ाई और इलाज का कोई इंतजाम नहीं था। सड़कें जर्जर थी। बिजली की आपूर्ति नहीं के बराबर हुआ करती थी। हम लोगों को विकास कार्य करते 20 साल हो गये हैं। अब प्रदेश में किसी प्रकार का डर और भय का वातावरण नहीं है। चारों तरफ शांति का माहौल कायम है। हमलोगों ने वर्ष 2006 से ही कब्रिस्तानों की घेराबंदी शुरू कराई। अब बड़े पैमाने पर कब्रिस्तानों की घेराबंदी की जा चुकी है। अब हिन्दू-मुस्लिम के बीच कोई झगड़ा झंझट नहीं होता है। मंदिरों में पहले चोरी की घटनाएं हुआ करती थी, जिसे देखते हुए 60 वर्ष से अधिक पुराने मंदिरों की घेराबंदी भी की जा रही है। हर तबके को आगे बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है। बिहार में शिक्षा की स्थिति में सुधार लाने के लिए बड़ी संख्या में स्कूल खोले गए तथा नियोजित शिक्षकों की बहाली की गई। बिहार लोक सेवा आयोग के माध्यम से 2 लाख 58 हजार सरकारी शिक्षकों की बहाली की गई है और आगे भी शिक्षकों की बहाली जारी है। नियोजित शिक्षकों की मामूली परीक्षा लेकर उन्हें सरकारी शिक्षक बनाया गया है। अब तक 2 लाख 62 हजार नियोजित शिक्षक सरकारी शिक्षक बन चुके हैं। इस प्रकार कुल 5 लाख 20 हजार सरकारी शिक्षकों की बहाली हो चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था काफी बदहाल थी। उस समय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मात्र 39 मरीज प्रतिमाह इलाज कराने पहुंचते थे। हम लोगों ने वर्ष 2006 से सभी सरकारी अस्पतालों में दवा एवं इलाज की मुफ्त व्यवस्था सुनिश्चित कराई है। जिसका परिणाम है कि अब प्रतिमाह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में औसतन 11 हजार 600 मरीज इलाज कराने पहुंच रहे हैं। बिहार में पहले मात्र 6 मेडिकल कॉलेज थे, अब इनकी बढ़कर संख्या 12 हो गई है। 20 जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है, शेष 7 जिलों में भी मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की दिशा में कार्य जारी है।

यूएन ने मानी भारत की ताकत मिलेगा वीटो पावर, देखते रह गए चीन-अमेरिका-पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र का मंच और इसी मंच से भारत की बार बार एक ही मांग कि संयुक्त राष्ट्र में बदलाव होने ही चाहिए। इसी बदलाव के समर्थन में दुनिया के कई देश भारत के साथ आकर खड़े हो गए हैं। दुनिया के देश ही नहीं खुद संयुक्त राष्ट्र भी भारत की इस मांग को मानता है। भारत की इस मांग के आगे अब खुद संयुक्त राष्ट्र भी झुक रहा है। यही कारण है कि भारत की भूमिका को लेकर संयुक्त राष्ट्र खुलकर बता रहा है कि भारत पूरी दुनिया के लिए कितना जरूरी है। भारत की तारीफों में संयुक्त राष्ट्र के मंच से कसीदे पढ़े गए। ये इसलिए इतना महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत लगातार ये कहता आया है कि संयुक्त राष्ट्र में बदलाव होने चाहिए। खासकर वीटो पावर को लेकर कुछ पांच देशों के पास एकाधिकार पहुंच गया है, उस एकाधिकार को या तो खत्म किया जाना चाहिए या फिर बाकी देशों को भी वैसी ताकत मिलनी चाहिए।

भारत कई मौकों से इस तरह की मांग रखता आया है। अब संयुक्त राष्ट्र भी इस तरह की बातों को स्वीकार कर रहा है। स्वीकार कर रहा है कि संयुक्त राष्ट्र को बदलावों की जरूरत है। बड़ी बात ये है कि भारत इतने सालों से बदलावों की मांग करता आया और आखिरकार दुनिया के कई देश इस बात को स्वीकार रहे हैं। अमेरिका, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन अब तक कई देश इस बात को लेकर अपना पक्ष रख चुके हैं। कई देश तो ऐसे हैं जो भारत को स्थाई सदस्यता देना चाहते हैं। संयुक्त राष्ट्र में अब ये मांग जोर पकड़ रही है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने सुरक्षा परिषद में सुधार का आह्वान किया है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस वर्तमान वैश्विक वास्तविकताओं को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार के बहुत समर्थक हैं, जिसमें भारत बहुपक्षीय प्रणाली में एक महत्वपूर्ण आवाज के रूप में उभर रहा है, संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया। न्यूयॉर्क में चल रहे संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के अवसर पर बोलते हुए, दुजारिक ने कहा, ÷महासचिव सुरक्षा परिषद में सुधार के बहुत समर्थक हैं ताकि इसे 1945 की दुनिया के बजाय 2025 की दुनिया का अधिक प्रतिनिधित्व करने वाला बनाया जा सके।

हालाँकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थायी सदस्यता किन देशों को मिलेगी, इसका अंतिम निर्णय संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को ही लेना है। उन्होंने आगे कहा कि अब, पुनर्जीवित सुरक्षा परिषद में कौन से देश बैठेंगे, किन देशों को स्थायी सीट मिलेगी, यह सदस्य देशों को ही तय करना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिकी आत्मघाती वीजा बंदिशें, भारत के नये अवसर

भले ही ट्रंप प्रशासन का यह आदेश उनकी 'अमेरिका फस्ट'' नीति की अगली कड़ी है। उनका तर्क है कि विदेशी पेशेवर सस्ते श्रम के रूप में अमेरिकी नागरिकों की नौकरियां छीन रहे हैं। शुल्क इतना अधिक करके वे चाहते हैं कि केवल वही विदेशी पेशेवर अमेरिका आएं, जो न केवल उच्च योग्यता रखते हों बल्कि भारी शुल्क अदा करने की क्षमता भी रखते हों।

(लेखक- ललित गर्ग)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के पेशेवरों, खासकर भारतीयों के सपनों पर एक नई काली छाया डाल दी है, उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है एवं एक बड़ा संकट खड़ा दिया है। 21 सितंबर की रात 12 बजे के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वालों को एच1बी वीज़ा प्राप्त करने के लिए लगभग एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये सालाना शुल्क देना होगा। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा, प्रतिभा-प्रवास और अमेरिका-भारत संबंधों पर गहरा प्रभाव डालने वाला कदम है। अमेरिका के इस कदम के बाद भारत को अपनी आत्म-निर्भरता, स्वदेशी भावना एवं देश की प्रतिभाओं का देश में ही उपयोग को बल देना होगा। भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के साथ अवसरों की भूमि बन रहा है। इसलिये अमेरिका के निर्णय से ज्यादा परेशान होने की बजाय इसको सकारात्मक दृष्टि से लेने की जरूरत है।

निश्चित ही अमेरिका दशकों से अवसरों की भूमि माना जाता रहा है। यहां आने का सपना रखने वालों के लिए एच1बी वीज़ा एक सुनहरा टिकट एवं उन्नत जीवन का आधार रहा है। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ इस वीज़ा के माध्यम से अमेरिका जाकर अपने सपनों को साकार करते रहे हैं। सिलिकॉन वैली की चमक और वहां भारतीय प्रतिभाओं का वर्चस्व इसका जीता-जागता प्रमाण है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम और फेसबुक जैसी दिग्गज कंपनियों में उच्च तकनीकी पदों पर भारतीय मूल के लोगों की उपस्थिति सर्वाधिक है। भारतीय आईटी पेशेवरों के बिना अमेरिकी तकनीकी जगत की कल्पना करना कठिन है। एच-1 बी वीजा की फीस में अप्रत्याशित वृद्धि का फैसला भारतीय आइटी कंपनियों के साथ अमेरिकी हितों को भी चोट पहुंचाने वाला है। इनमें आइटी सेक्टर से इतर क्षेत्र की कंपनियां भी हैं। इसका प्रमाण यह है कि उनके फैसले की आलोचना अनेक अमेरिकी ही कर रहे हैं। यदि ट्रंप यह सोच रहे हैं कि एच-1बी वीजा धारकों की फीस एक हजार डालर से एक लाख डालर सालाना करने से भारतीय और अमेरिकी कंपनियां अमेरिका के युवाओं को नौकरी देने के लिए बाध्य हो जाएंगी तो यह उनकी भूल है, क्योंकि इन कंपनियों को जैसे और जितने सक्षम युवा पेशेवर चाहिए, वे अमेरिका में हैं ही नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति यह भी भूल रहे हैं कि अमेरिका के आर्थिक विकास में अप्रवासियों विशेषतः भारतीय प्रतिभाओं का सर्वाधिक योगदान है और यह केवल पेशेवर लोगों का ही नहीं, बल्कि कामगारों का भी है।

भले ही ट्रंप प्रशासन का यह आदेश उनकी 'अमेरिका फस्ट'' नीति की अगली कड़ी है। उनका तर्क है कि विदेशी पेशेवर सस्ते श्रम के रूप में अमेरिकी नागरिकों की नौकरियां छीन रहे हैं। शुल्क इतना अधिक करके वे चाहते हैं कि केवल वही विदेशी पेशेवर अमेरिका आएं, जो न केवल उच्च योग्यता रखते हों बल्कि भारी शुल्क अदा करने की क्षमता भी रखते हों। लेकिन यह कदम अमेरिका के लिये ही आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती साबित हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी कंपनियों को उच्च कौशल वाले पेशेवरों की भारी ज़रूरत है और भारतीय आईटी पेशेवरों की कमी वहां सीधे तौर पर नवाचार और प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगी। ट्रंप के फैसले को आपदा नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखना चाहिए।

पहले भारतीय प्रतिभा अमेरिका की ओर बहती थी, अब यह प्रवाह कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर की ओर मुड़ सकता है। छात्र और युवा पेशेवर पहले से ही अमेरिकी वीज़ा नीतियों को लेकर असमंजस में रहते थे। अब यह आदेश उनके आत्मविश्वास और योजनाओं को और झकझोर देगा। हालांकि एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि कई युवा भारत में ही स्टार्टअप्स, शोध और नई तकनीक के क्षेत्रों में काम करने की ओर आकर्षित होंगे। भारत पर इस नीति का असर केवल युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक असर डाल सकता है। भारतीय आईटी कंपनियां जैसे इन्फोसिस, टीसीएस, विप्रो आदि अमेरिका में बड़े पैमाने पर कार्यरत हैं। एच1बी वीज़ा पर निर्भरता ज्यादा होने के कारण उनका खर्च बढ़ेगा और प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी। भारतीय पेशेवर हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं, वीज़ा बाधाओं से यह प्रवाह घटेगा। हजारों भारतीय छात्र अमेरिका में उच्च शिक्षा लेकर वहीं काम करने का सपना देखते हैं। अब शुल्क की बाधा उनके लिए अमेरिका को कम आकर्षक बनाएगी। साथ ही भारत में ही वैश्विक स्तर के शोध और नवाचार केंद्र विकसित करने की संभावना भी बढ़ेगी।

अमेरिका और भारत के संबंध बीते दो दशकों में आर्थिक, रणनीतिक और तकनीकी सहयोग की नई ऊँचाइयों पर पहुंचे हैं। अमेरिका ने भारत को रणनीतिक साझेदार माना है। रक्षा, व्यापार और तकनीक में गहरे संबंध बने हैं और भारतीय प्रवासी अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन ट्रंप के निर्णय से यह संदेश गया है कि अमेरिका भारत को साझेदार तो मानता है, लेकिन जब घरेलू राजनीति का दबाव आता है तो साझेदारी पीछे छूट जाती है। भारत-अमेरिका संबंधों का आधार लोगों से लोगों का संपर्क रहा है। यदि भारतीय पेशेवर अमेरिका में कम होते हैं तो यह आधार कमजोर होगा। इन जटिल से जटिलतर होती स्थितियों में भारतीय कंपनियों को देश में ही अपना कारोबार बढ़ाने के जतन करने चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में ट्रंप कुछ और ऐसे कदम भारतीय हितों को आहत करने वाले उठा सकते हैं। उन्होंने भले ही टैरिफ के मामले में लचीला रवैया अपनाते हुए भारत से शीघ्र व्यापार समझौता होने की संभावना जताई हो, लेकिन वे अब भी भारतीय हितों के विपरीत काम करते दिख रहे हैं।

वे केवल यही दबाव नहीं बना रहे कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करे, बल्कि उन्होंने ईरान के चाबहार बंदरगाह में भारत के लिए मुसीबत खड़ी करने का काम किया है। ट्रंप अपने फैसलों को इस रूप में रेखांकित कर रहे हैं कि उनसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पंख लग जाएंगे, लेकिन आठ माह का उनका कार्यकाल उनकी नाकामी ही बयान कर रहा है।

चौंकाने वाले फैसले लेना भले ही ट्रंप की आदत हो, लेकिन सेवा क्षेत्र में पहली बार अपनी संरक्षणवादी नीति के दर्शन करा, वह भूल रहे हैं कि अमेरिका को बनाने में अप्रवासियों की बड़ी भूमिका रही है। सिलिकॉन वैली के करीब एक-तिहाई टेक-कर्मचारी भारतीय मूल के हैं। फॉर्च्यून 500 की लगभग डेढ़ दर्जन कंपनियों में शीर्ष पर भारतीय बैठे हैं, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के इंजन भी हैं। 2024 में 72 यूनिकॉर्न स्टार्टअप भारतीय मूल के लोगों के थे, जिनका कुल मूल्य करीब 195 अरब डॉलर आंका गया था। इन कंपनियों में अमेरिकी भी काम करते हैं। अमेरिकी आबादी में बमुश्किल डेढ़ फीसदी होने के बावजूद भारतीय पांच से छह फीसदी कर अदा करते हैं। नैसकॉम का यह कहना उचित ही है कि एच-1बी वीजा जैसे फैसलों का नकारात्मक असर अमेरिका में नवाचार के माहौल और रोजगार आधारित अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

दुनिया के अन्य देशों की नीतियों से तुलना की जाए तो कनाडा प्रवासी पेशेवरों और छात्रों को आकर्षित करने के लिए वीज़ा और स्थायी निवास की नीतियों को सरल बना रहा है। जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया तकनीकी प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए रेड कार्पेट बिछा रहे हैं, जबकि अमेरिका उल्टा रास्ता चुन रहा है जो दीर्घकाल में उसे वैश्विक प्रतिभा की कमी की ओर धकेल सकता है। भारत के लिए यह अवसर है कि वह प्रतिभाओं के पलायन को रोकने के लिए अपनी नीतियों और बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाए। शिक्षा, शोध और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर भारत अमेरिका के विकल्प के रूप में उभर सकता है। अमेरिका के लिए यह कदम उसके उस आदर्श को धूमिल करेगा जिसके अनुसार वह इमिग्रेशन की भूमि कहलाता है और उसकी वैश्विक नेतृत्व क्षमता को कमजोर करेगा। रवींद्रनाथ टैगोर की ये पंक्तियाँ यहां सार्थक लगती हैं-'स्वतंत्रता वह है, जहां ज्ञान निर्भय होता है और दुनिया सीमाओं से विभाजित नहीं

संपादकीय

अपनों पर बमबारी

पाक सत्ता के कुशासन व भेदभाव से त्रस्त उसके कई राज्यों के नागरिक दमन के खिलाफ मुखर विरोध जताते रहे हैं। जिसमें पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी प्रांत, खैबर पख्तूनख्वा के लोग भी शामिल हैं। गरीबी-महंगाई और हाल के हफ्तों में भारी बाढ़ की तबाही झेल रहे खैबर के असहाय लोग अब एक क्रूर सैन्य अभियान का भी दंश झेल रहे हैं। कहने को तो पाक सेना के इशारे पर मुहिम चला रही सरकार का कहना है कि खैबर पख्तूनख्वा में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकवादियों का सफाया करने के लिये यह अभियान चलाया जा रहा है। बताया जाता है कि तिराह घाटी में पाकिस्तानी वायु सेना के विमानों द्वारा किए गए बम विस्फोटों में महिलाओं-बच्चों समेत करीब तीस नागरिकों की जान चली गई है। इस घटना के बाद पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने अफगानिस्तान सीमा के पास हुए हवाई हमलों की जांच की मांग की है। हमेशा की तरह की झूठी कहानी गढ़ने में मशहूर पाकिस्तानी पुलिस की दलील है कि इन मौतों के लिये उस परिसर में हुए विस्फोट जिम्मेदार हैं, जहां टीटीपी ने विस्फोटक सामग्री जमा कर रखी थी। दरअसल, भारत ने अंतर्राष्ट्रीय मंचों के द्वारा पाकिस्तान के आतंकवाद फैलाने के मंसूबों को बेनकाब किया है। जिसके जवाब में पाकिस्तान सेना के फील्ड मार्शल असीम मुनीर यह दिखावा करने पर तुले हुए हैं कि उनका देश आंतकवाद का पोषक नहीं बल्कि इससे पीड़ित देश है। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान में यह चाल खूब चली है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय भारतीय धरती पर हुए इस भयावह नरसंहार के लिये पाकिस्तान को दोषी ठहराने से कतरा रहा है, भले ही इसके स्पष्ट संकेत हों। दरअसल, कथित रूप से आतंकवाद से निपटने के बहाने, पाकिस्तान का सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ यानी पीटीआई सरकार को कमजोर करने की भरसक कोशिश कर रहा है। वास्तव में पाक हुकमरान अतीत में भी सेना के इशारे पर विपक्षी राजनीतिक दलों के दमन के लिये अभियान चलाते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की मुख्य विपक्षी पार्टी पीटीआई अपने संस्थापक, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के दो साल से जेल में बंद होने के विरोध में पहले ही संघर्ष जारी रखे हुए है। पूरे देश में पीटीआई कार्यकर्ताओं को जेलों में डाला जा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान की सत्ता में काबिज वर्ग विशेष के खिलाफ प्रतिरोध का स्वर मुखर करने वाले प्रांतों में लोगों के सफाये के लिये सुनियोजित अभियान चलाये जाते रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा में लंबे समय से मानवाधिकारों के हनन और लोगों के जबरन विस्थापन के खिलाफ लगातार विरोध के स्वर उभरते रहे हैं। अब इस हवाई हमले ने पाकिस्तान सरकार के नापाक मंसूबों को सारी दुनिया के सामने उजागर कर दिया है, जो अपने सोते हुए नागरिकों पर बम बरसाकर खतरनाक इरादों को अंजाम दे रही है। विडंबना यह है कि जो पाकिस्तान भारत के खिलाफ दशकों तक सीमा पार से आतंकवाद का प्रायोजक रहा है, अब यह चाहता है कि तालिबान सरकार सुनिश्चित करे कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिये न हो। इसमें दो राय नहीं कि पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर के दुस्साहस के चलते ही अफगानिस्तान के साथ उसके देश के संबंधों को नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान के इस टकराव के रवैये के कारण पाकिस्तान व अफगानिस्तान के रिश्ते सबसे खराब दौर में पहुंच गए हैं।

नीतीश कुमार- बिहार की राजनीति के अनिश्चितता के बादशाह

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

बिहार की राजनीति की ग्रह - दिशा कुछ भी हो, कोई भी राजनीतिक हलचल हो नीतीश कुमार को कोई भी हल्के में नहीं ले सकता। बीते कुछ सालों से नीतीश कुमार की गतिविधियों को देखकर उनके चाहने वाले उनके लिए चिंतित रहते हैं, कुछ तो उनकी मानसिक स्थिति को लेकर भी परेशान दिखते हैं, हालांकि यहां विषय नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर नहीं है, यहां चर्चा नीतीश कुमार की राजनीतिक शख्सियत की है, जेडीयू एवं उनकी राजनीतिक ताकत की है। नीतीश कुमार कई बार पलटी मारने के बावजूद भी राजनीतिक अछूत नहीं हैं, उनका अपना कद है। भले ही तेजस्वी एवं आरजेडी नीतीश कुमार को पलटू चाचा कहते हों परंतु नीतीश कुमार से इनका मोह जगज़ाहिर है, नीतिश कुमार को उन्होंने कभी नहीं छोड़ा, नीतीश कुमार ने ही हमेशा नैतिकता के आधार पर छोड़ा है। यही बात भाजपा के साथ भी रही है, भाजपा ने नीतीश कुमार को कभी नहीं छोड़ा, हमेशा नीतीश कुमार ने ही दूरी बनाई है जब भी बनाई है। जब प्रशांत किशोर कहते हैं कि तेजस्वी यादव एवं नीतीश कुमार में कोई तुलना नहीं हो सकती, तमाम असहमति के बाद भी दोनों में मुझे एक को चुनना पड़े तो मैं हमेशा नीतीश कुमार को चुनूंगा, ये प्रशांत किशोर का कोई राजनीतिक हित नहीं अपितु नीतीश कुमार की शख्सियत को एवं उनके प्रभाव को दर्शाता है।

बिहार चुनावो में पिछले कई बार से देखा गया है कि जेडीयू की सीटें भले ही कम जीत पाती हो परंतु मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही बनते हैं, इससे पीछे आरजेडी एवं भाजपा की महानता नहीं है कि वे नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बना देते हैं, बल्कि उनकी मजबूरी छुपी हुई है, चूंकि नीतीश कुमार की छवि सुशासन बाबू की है। उनके ऊपर कोई परिवारवाद का आरोप नहीं लगा सकता। कांग्रेस, भाजपा, आरजेडी की तुलना में व्यक्तिगत रूप से नीतीश कुमार बेदाग माने जाते हैं, वहीं बिहार के सारे दलों के नेताओं में नीतीश कुमार के लिए सम्मान सद्भावना भी है, यही कारण है कि उनकी उम्र के दिग्गज नेता सुशील कुमार मोदी हमेशा नीतीश कुमार के डिप्टी बनकर रहे और हमेशा उन्होंने नीतीश कुमार को इज्ज़त अफजाई की। यही बात आरजेडी के लिए भी है, नीतीश कुमार 90 के दशक से हमेशा लालू प्रसाद यादव के धुर विरोधी रहे हैं परंतु जब - जब नीतीश कुमार को जरूरत पड़ी है तब - तब लालू यादव आरजेडी सहित नीतीश कुमार के लिए खड़े हुए हैं।वहीँ भाजपा के लिए नीतीश कुमार बिहार में एक खेवनहार की भूमिका में रहते हैं, भाजपा को पता है कि अगर नीतीश कुमार से अलग होकर भाजपा चुनाव में उतरी तो उसकी पराजय के साथ दुर्गति हो जाएगी, यही कारण है कि भाजपा नीतीश कुमार के कई बार पलटी मारने के बाद भी भाजपा कभी नीतीश के लिए विद्वेष नहीं दर्शाती, आलोचना बात अलग है कुछ अपवाद छोड़ दिया जाए तो यह भी सच है। आज केंद्र की सरकार में नीतीश कुमार का समर्थन है, भाजपा नीतीश कुमार की ताकत से वाकिफ़ है, यही कारण है कि महाराष्ट्र की तरह कोई राजनीतिक हलचल नहीं हो रही अन्यथा नीतीश कुमार केंद्र में सरकार को अस्थिर कार सकते हैं लेकिन नीतीश कुमार की बेदाग छवि सारे दलों को लुभाती है, और वो उनके लिए फायदेमन्द होती है, यही कारण है कि आरजेडी, भाजपा, कांग्रेस हमेशा नीतीश कुमार को सीएम बनाते हैं चूंकि नीतीश कुमार को दरकिनार करके सीएम बनाना भाजपा एवं आरजेडी के बस की बात नहीं है। प्रशांत किशोर के मैदान में उतरने के बाद ज़्यादा नुकसान एनडीए को होगा या महागठबंधन का ये तो कहना मुश्किल है परंतु नीतीश कुमार का फ़ायदा होना तय है। परिस्थिति कोई भी हो, कोई भी राजनीतिक दल नीतीश कुमार को हल्के में नहीं ले सकता, अन्यथा नुकसान उनका ही होगा। आरजेडी कांग्रेस के साथ सामंज्य

स्थापित करते हुए बड़ी कठिन परिस्थितियों से गुजर रही है, वहीँ उनकी परिवारिक कलह उन्हें सत्ता से बहुत दूर ले जा सकती है। आरजेडी के पास नीतीश कुमार को पलटू चाचा कहने के अलावा कोई आरोप नहीं है, नीतीश कुमार सीएम बनने के लिए ही सीएम पद से इस्तीफा दे देते हैं, ये बात नेताओ के लिए बोलना आसान होती होगी, यही कारण है कि जनता में संदेश जाता है कि नीतीश कुमार को काम करने नहीं दिया जा रहा इसलिए वे पलटी मार जाते हैं, उनकी पलटी मारने की कला जनता एवं राजनीतिक दलों में घृणा कारण नहीं है। भाजपा फिर से एनडीए सरकार के नारे ज़रूर लगा रही है, परंतु नीतीश कुमार के बिना उनका सीएम बनना दिन में सपने देखने से कम नहीं होगा। बिहार में फ़िलहाल नीतीश कुमार के बिना भाजपा का सरकार बना पाना मुश्किल है, साथ ही आरजेडी कितना भी माहौल बनाए उन्हें पता है कि नीतीश कुमार को हल्के में लेने की भूल उन्हें सस्ता से बहुत दूर ले जाएगी... यही कारण है कि बिहार में किंग एवं किंग मेकर की भूमिका में लेवल और केवल नीतीश कुमार होंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मै छिपा हुआ है। सामान्यत- चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक 'फ्रायड' का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भॅवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भॅवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं।

हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य 'मौन' करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अत- आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, हृदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अत- संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

एनडीए गठबंधन के लिए भस्मासुर बने प्रशांत किशोर

(लेखक- सनत जैन)

- बिहार के 5 बडे नेताओं की खोल कर रख दी कुंडली

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले ही प्रदेश की राजनीति एक बार फिर भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर गरमा गई है। जन स्वराज पार्टी के मुखिया प्रशांत किशोर बीते ढाई महीने से एनडीए गठबंधन के नेताओं पर लगातार आरोपों की झड़ी लगाए हुए हैं। इससे सत्तारूढ़ एनडीए सरकार की नींव हिलती हुई नज़र आ रही है। सबसे ताज़ा हमला नीतीश कुमार के सबसे खासम-खास ग्रामीण विकास मंत्री अशोक चौधरी पर किया गया है। चौधरी पर प्रशांत किशोर ने 200 करोड़ की ज़मीन खरीद का सप्रमाण आरोप लगाया है। दस्तावेज़ और बैंक खातों के लेन-देन के दस्तावेज सार्वजनिक करते हुए जो आरोप लगाया गया है वह साधारण नहीं है। इस आरोप की आंच नीतीश कुमार तक पहुंच रही है। सवाल यह है, क्या बिहार सरकार और सत्ताधारी दल इन आरोपों से मुंह मोड़ सकते हैं? अशोक चौधरी महज़ मंत्री ही नहीं, बल्कि नीतीश कुमार के साथ परछाई की तरह रहते हैं। ऐसे में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला उठा है, इसकी जवाबदेही सीधे मुख्यमंत्री तक जाती है। नीतीश कुमार वर्षों से ईमानदार छवि के नेता माने जाते रहे हैं। क्या व्यक्तिगत ईमानदारी के लिए छवि ही काफी है। जब उनके करीबी सहयोगी भ्रष्टाचार में फंसे हैं, तो नीतीश बाबू अपने आपको ईमानदार कैसे कह सकते हैं? प्रशांत किशोर ने सिर्फ अशोक चौधरी को ही नहीं, बल्कि बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और सांसद संजय जायसवाल पर करोड़ों के गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। सबसे बड़ी खास बात यह है, कि प्रशांत किशोर उर्फ पीके ने आरोप लगाते हुए इसके प्रमाण स्वरुप दस्तावेजों को भी पेश कर दिया हैं। आश्चर्य है इन सभी आरोपों के बावजूद सरकार की ओर से कोई ठोस सफाई अभी तक नहीं आई है। ना ही किसी जांच का आदेश सरकार द्वारा दिया गया है। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही चुनाव के समय मतदाताओं को प्रभावित करती है। मंत्री या बड़े नेता पर गंभीर और सप्रमाण आरोप लगे हैं। मुख्यमंत्री और सरकार की पहली जिम्मेदारी बनती है, कि वह जांच की घोषणा करें। चुप्पी जितनी लंबी खिंचती है, संदेह उतना ही गहराता चला जाता है। जनता के मन में यह सवाल उठ रहे हैं, आखिर सत्ताधारी दल किस डर से जवाब नही दे रहे हैं। प्रशांत किशोर के इन आरोपों ने बिहार की राजनीति में हलचल जरूर मचा दी है।

दूसरी तरफ राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोट अधिकार यात्रा तथा तेजस्वी यादव की बिहार अधिकार यात्रा ने मतदाताओं को प्रभावित किया है। बड़ी संख्या में उनके साथ युवा वर्ग, महिलाएं और पिछड़ा वर्ग जुड़ता दिखा है। इनका समर्थन जिस तरह से देखने को मिल रहा है उसको देखते हुए यह कहा जा सकता है कि बिहार का चुनाव इस बार कुछ अलग परिणाम देने वाला साबित होगा। बिहार की जनता अब सिर्फ आरोप और प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं चाहती है, उसे जवाब चाहिए। सरकार को तय करना होगा, वह अपने नेताओं की छवि को कैसे बचा पाएगी। बिहार में चुनाव की अधिसूचना जारी होने के पहले प्रशांत किशोर द्वारा जिस तरह से एनडीए नेताओं के खिलाफ दस्तावेज के साथ आरोप लगाए जा रहे हैं उसके कारण बिहार की राजनीति में एक नया ऊफान देखने को मिल रहा है। प्रशांत किशोर खुद ब्राह्मण हैं, जिस तरह से उन्होंने ब्राह्मणों के बीच में सेंध लगाई है, भूमिहारों को अपने साथ लिया है यह मायने रखता है। प्रशांत किशोर ने भाजपा के लिए भी काम किया है। राष्ट्रीय जनता दल में भी वह नीतीश बाबू के कुछ समय तक दाएं हाथ रहे हैं। ऐसी स्थिति में यह माना जा रहा है कि पहले जो कयास लगाए जा रहे थे कि वह भाजपा की बी टीम बनकर इंडिया गठबंधन को नुकसान पहुंचाएंगे लेकिन अब जिस तरह की स्थिति बनी है उसमें प्रशांत किशोर उर्फ पीके को यह लगने लगा है कि उनका खुद का

जनाधार मजबूत है। इस कारण वह पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतर रहे हैं। बिहार में अब यह भी कहा जाने लगा है, कि प्रशांत किशोर उर्फ पीके अब एनडीए गठबंधन के लिए भस्मासुर बनकर सामने आ रहे हैं। वोट चोरी को लेकर बिहार का जनमानस पहले से ही उद्वलित था, ऐसी स्थिति में प्रशांत किशोर सबसे ज्यादा नुकसान एनडीए गठबंधन को ही पुहँचाने जा रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरबीआई सितंबर में घटा सकता है 25 आधार अंक ब्याज दरः एसबीआई

नई दिल्ली भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की रिपोर्ट में कहा गया है कि मुद्रास्फीति में नियंत्रण और नरमी के कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सितंबर 2025 में ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती कर सकता है। 29-30 सितंबर को होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में यह फैसला लिया जाएगा, जिसकी घोषणा 1 अक्टूबर को होगी। रिपोर्ट में टाइप 2 गलती (दर कटौती न करना) से बचने की सलाह दी गई है। वित्त वर्ष 2027 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति लगभग 4 प्रतिशत या उससे कम रहने का अनुमान है। जीएसटी में कोई कटौती किए बिना मुद्रास्फीति सितंबर और अक्टूबर में पहले ही दो प्रतिशत से नीचे चल रही है।

यूरो प्रतीक सेल्स का शेयर करीब 11 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली यूरो प्रतीक सेल्स लिमिटेड का शेयर मंगलवार को अपने निर्गम मूल्य 247 रुपये से लगभग 11 प्रतिशत की बढ़त के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर यह शेयर 273.45 रुपये पर खुला, जो निर्गम मूल्य से 10.70 फीसदी अधिक था, और बाद में 279.55 रुपये तक पहुंच गया, जो 13.17 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। एनएसई पर भी इसने 272.10 रुपये पर शुरुआत की, जो निर्गम मूल्य से 10.16 फीसदी अधिक है। यह कंपनी डेकोरेटिव वॉल पैनल उद्योग में अग्रणी है। इसका 451.32 करोड़ रुपये का आईपीओ पिछले गुरुवार को 1.34 गुना अभिदान के साथ सफल रहा। आईपीओ का मूल्य दायरा 235 से 247 रुपये प्रति शेयर था।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनाः 25 लाख म हिलाओं को मुफ्त मिलेगा एलपीजी कनेक्शन

नई दिल्ली पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाय) के तहत 25 लाख अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन जारी करने की मंजूरी दी है। इससे योजना के तहत कुल कनेक्शन संख्या 10.58 करोड़ हो जाएगी। सरकार ने इस योजना के लिए 676 करोड़ रुपये खर्च करने को मंजूरी दी है। इसमें 25 लाख डिपॉजिट मुक्त कनेक्शन के लिए 512.5 करोड़ रुपये और 9 रीफिल तक प्रति सिलेंडर 300 रुपये की सब्सिडी के लिए 160 करोड़ रुपये शामिल हैं। पीएमयूवाय के तहत लाभार्थियों को डिपॉजिट मुक्त रसोई गैस कनेक्शन, पहला रीफिल, स्टोव, सुरक्षा जमा, प्रेशर रेगुलेटर, सुरक्षा होज और गैस कंज्यूमर कार्ड पुस्तिका मुफ्त दी जाती है। पहले रीफिल या स्टोव के लिए कोई भुगतान नहीं करना होता।

कोयले पर कर व्यवस्था में बदलाव से बिजली उत्पादन की लागत घटेगी

– बिजली उत्पादन की लागत प्रति यूनिट 17 से 18 पैसे तक कम होने का अनुमान

नई दिल्ली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने हाल ही में कोयले पर 400 रुपये प्रति टन का क्षतिपूर्ति उपकर हटा दिया है। कोयला मंत्रालय के अनुसार इस कदम से बिजली क्षेत्र के लिए कोयले का औसत मूल्य लगभग 260 रुपये प्रति टन रह सकेगा। कोयले के विभिन्न ग्रेडों पर कीमतें 13.40 से 329.61 रुपये प्रति टन तक घटेंगी। इसके साथ ही, पहले कोयले पर अलग-अलग ग्रेड के अनुसार असमान उपकर लागू था, जिससे कम गुणवत्ता वाले कोयले पर अधिक कर लग रहा था। अब सभी कोयला ग्रेडों पर समान 39.81 प्रतिशत कर व्यवस्था लागू कर दी गई है। हालांकि जीएसटी की दर कोयले पर 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है। इन सुधारों के कारण बिजली उत्पादन की लागत प्रति यूनिट 17 से 18 पैसे तक कम होने का अनुमान है।

जीएसटी 2.0: मारुति ने एक दिन में 25,000, हुंडई ने 11000 और टाटा ने 10000 गाड़ियों की डिलेवरी की

नई दिल्ली

देश में नया गुड्स एंड सर्विस टैक्स यानी जीएसटी 2.0 लागू होकर ऑटोमोबाइल सेक्टर में जबरदस्त तेजी आई है। 22 सितंबर से लागू हुए नए टैक्स सिस्टम ने कंपनियों और ग्राहकों दोनों के लिए बड़ी राहत दी है। छोटी कारों पर टैक्स घटने से डिमांड इतनी तेजी से बढ़ी कि कार कंपनियों को पहले ही दिन बंपर बुकिंग और रिकॉर्ड डिलीवरी का जश्न मनाया। जीएसटी 2.0 लागू होते ही देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड को पहले दिन ही ग्राहकों की ओर से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली। कंपनी के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (मार्केटिंग और सेल्स) पार्थो बनर्जी ने बताया कि 22 सितंबर को कंपनी को 80,000 से ज्यादा ग्राहकों ने पूछताछ की और एक ही दिन में 25,000 से अधिक कारों की डिलीवरी हुई। आने वाले दिनों में 30,000 से ज्यादा डिलीवरी की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि छोटी कारों की मांग इतनी मजबूत है कि कुछ वैरिएंट का स्टॉक खत्म हो सकता है। मारुति ने 18 सितंबर से ही जीएसटी दरों में कटौती के साथ अतिरिक्त प्राइस कट का ऐलान किया था, जिसके बाद से कंपनी को महज कुछ दिनों में 75,000 बुकिंग मिल चुकी हैं। यानी रोजाना करीब 15,000 बुकिंग दर्ज की जा रही हैं, जो सामान्य से करीब 50 प्रतिशत अधिक है।वहीं हुंडई मोटर इंडिया के होलटाइम डायरेक्टर और सीओओ तरुण गर्ग ने भी इस बेहद सकारात्मक संकेत बताया। उनके अनुसार जीएसटी 2.0 और नवरात्रि की शुरुआत ने बाजार में नया उत्साह लेकर आया है। कंपनी ने पहले ही दिन करीब 11,000 डीलर बिलिंग दर्ज की, जो पिछले पांच वर्षों में किसी एक दिन का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे यह साफ होता है कि त्यौहारी सीजन में ग्राहकों का भरोसा और खरीदारी का उत्साह बेहद मजबूत है। टाटा मोटर्स ने भी धमाकेदार शुरुआत की है। जीएसटी 2.0 लागू होने के पहले दिन कंपनी ने 10,000 गाड़ियों की डिलीवरी की और 25,000 से ज्यादा पूछताछ दर्ज की गई। यह आंकड़े बताते हैं कि नई टैक्स व्यवस्था ने ग्राहकों को खरीदारी के लिए और भी प्रेरित किया है।

छोटे व्यवसायों के लिए जीएसटी रजिस्ट्रेशन, क्या है जरूरी?

–जीएसटी नंबर होने से व्यवसाय की बढ़ती है विश्वसनीयता

नई दिल्ली

भारत में छोटे व्यवसायी अक्सर जीएसटी रजिस्ट्रेशन को लेकर उलझन में रहते हैं। वर्तमान कानून के अनुसार जिन व्यवसायों का सालाना टर्नओवर 40 लाख से अधिक है, उन्हें जीएसटी के लिए अनिवार्य रूप से रजिस्टर होना पड़ता है। सेवा क्षेत्र के लिए यह सीमा 20 लाख रुपए और विशेष श्रेणी राज्यों में 10 लाख रुपए है। इन सीमाओं के नीचे आने वाले व्यवसायी को जीएसटी रजिस्ट्रेशन करवाना जरूरी नहीं, लेकिन वे इसे स्वैच्छिक रूप से कर सकते हैं। छोटे व्यवसायी जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराने में ही फायदा मानते हैं। इससे उन्हें इनपुट टैक्स क्रेडिट मिलता है, जो खर्चों पर टैक्स कम करता है। इसके अलावा जीएसटी नंबर होने से व्यवसाय की विश्वसनीयता बढ़ती है और बड़े कॉर्पोरेट या ई-कॉमर्स क्लाइंट से व्यापार करना आसान होता है।

यदि व्यवसाय ऑनलाइन या कई राज्यों में कारोबार कर रहा है तो जीएसटी रजिस्ट्रेशन लगभग जरूरी हो जाता है। जीएसटी के तहत व्यापार करते समय खर्च, बिक्री, खरीद और चालानों का सही रिकॉर्ड रखना आवश्यक है। इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड रखने से जीएसटी रिटर्न भरना आसान हो जाता है। रिकॉर्ड अधूरा या गलत होने से व्यवसायी को जांच या ऑडिट में दिक्कतें आ सकती हैं। इसलिए साफ-सुथरा हिसाब रखना जरूरी है। छोटे व्यवसायी को अपने टर्नओवर और व्यवसाय की प्रकृति को देखकर जीएसटी रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता समझनी चाहिए। चाहे रजिस्ट्रेशन अनिवार्य हो या स्वैच्छिक, सही तरीके से अनुपालन करने से व्यवसाय को कई फायदे मिल सकते हैं।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच ही बाजार में उत्साह की कमी नजर आयी। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 57.87 अंक टूटकर 82,102.10 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.85 अंक नीचे आकर 25,169.50 पर बंद हुआ। आज केवल बैंकिंग शेयरों में ही तेजी रही। निफ्टी बैंक 225 अंक करीब 0.41 फीसदी की बढ़त के साथ ही 55,509.75 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी ऑटो 0.62 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 1.09 फीसदी और निफ्टी पीएसई 0.23 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी आईटी 0.71 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 1.29 फीसदी , निफ्टी रियल्टी 0.89 फीसदी , निफ्टी एनर्जी 0.46 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.18 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

वहीं सेंसेक्स पैक में एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी, एसबीआई, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, एनटीपीसी, एमएंडएम, टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, एलएंडटी और बजाज फिनसर्व टॉप गेनर्स थे। ट्रेंट, टेक महिंद्रा, एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, आईटीसी, सन फार्मा, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक और एचडीएफसी बैंक के शेयर नुकसान में रहे। वहीं घरेलू शेयर बाजार सीमित दायरे में कारोबार करते हुए दिखा। जीएसटी कमी के बाद त्योहारी मांग में मजबूती से ऑटो, मेटल और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में तेजी देखी गई, जबकि एफएमसीजी और रियल्टी शेयरों पर मुनाफावसूली के कारण गिरावट रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी के बीच रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया।

इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट स्तर पर खुले। शुरुआती कारोबार में हालांकि ऑटो और आईटी शेयरों में खरीदारी के चलते बाजार को सहारा मिला। बीएसई सेंसेक्स 82,147.37 के स्तर पर स्थिर खुलकर 143.70 अंकों की हल्की बढ़त के साथ 2,303.67 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी-50 ने 25,209 पर शुरुआत की और 11.05 अंक बढ़कर 25,216 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में मंगलवार को तेजी देखी गई। यह वॉल स्ट्रीट पर टेक शेयरों की मजबूती से प्रेरित थी। आखिरी जानकारी के अनुसार, जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.99 फीसदी ऊपर रहा। जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.2 फीसदी की बढ़त में था। हालांकि, हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.32 फीसदी की गिरावट में देखा गया। अमेरिकी शेयर बाजारों ने मजबूती के साथ कारोबार समाप्त किया। यह मजबूती एनविडिया की घोषणा के चलते आई जिसमें उसने कहा कि वह ओपनएआई में 100 बिलियन डॉलर तक का निवेश करेगी। नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स 0.7 फीसदी ऊपर रहा, एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.44 फीसदी नीचे बंद हुआ, जबकि डॉव जोन्स 0.14फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स का आईपीओ हुआ लॉन्च

नई दिल्ली आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स का आईपीओ 22 सितंबर से खुल गया है और यह 25 सितंबर तक आवेदन के लिए उपलब्ध रहेगा। कंपनी ने इस आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 393 से 414 प्रति शेयर तय किया है। कुल 1.8 करोड़ इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जिनसे कंपनी 745 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। आईपीओ में न्यूनतम निवेश 36 शेयरों के लॉट में करना होगा, जिसकी कीमत लगभग 14,904 रुपए है। निवेशक 13 लॉट तक (468 शेयर) आवेदन कर सकते हैं। यह पूरी प्रक्रिया फ्रेश इश्यू पर आधारित है। एंकर निवेशकों ने पहले ही 220 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं, जिनमें एचडीएफसी, कोटक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस प्रमुख हैं। आनंद राठी शेयर के शेयर 30 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। बाजार विशेषज्ञों की राय इस आईपीओ को लेकर सकारात्मक है।

एच-1बी वीजा शुल्क में भारी बढ़ोतरी से भारतीय आईटी कंपनियों पर दबाव

- अनुबंधों पर दोबारा बातचीत तय

नई दिल्ली

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों को अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा शुल्क में भारी बढ़ोतरी के कारण नया संकट झेलना पड़ सकता है। अमेरिका ने इस शुल्क को 1,00,000 डॉलर तक बढ़ा दिया है, जिससे भारत की प्रमुख आईटी सेवा कंपनियों जैसे टीसीएस, इंफो सिस,` विप्रो और एचसीएल की लागत में जोरदार वृद्धि होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि कंपनियां अब वीजा वाले कर्मचारियों को भारत में ही रखने को मजबूर हो सकती हैं। साथ ही कनाडा और मेक्सिको जैसे देशों में आकस्मिक खर्च बढ़ाने पड़ेंगे और अमेरिका में स्थानीय भर्तियों को प्राथमिकता देनी होगी। इन बदलावों से कंपनियों की संचालन लागत और अधिक बढ़ेगी। मार्च 2025 तक करीब 20 अरब डॉलर के आईटी अनुबंधों का नवीनीकरण होना है, जिनमें कई बड़े सौदे अभी लंबित हैं। इनमें टीसीएस के स्टार अलायंस और नीलसन, इंफो सिस के डेमलर और जीई अप्लायंसेज और` विप्रो के ई.आन तथा पेट्रोब्रास के साथ सौदे शामिल हैं। नेल्सनहॉल के एक विश्लेषक के अनुसार अगले साल मार्च से कंपनियां एच-1बी वीजा आवेदन पूरी तरह बंद कर सकती हैं। इससे ऑनसाइट स्टाफिंग सीमित हो जाएगी और कई भूमिकाएं या तो स्थानीय लोगों को दी जाएंगी या सलाहकारों के माध्यम से पूरी होंगी। इस परिदृश्य में, एआई और जनरेटिव एआई जैसी

तकनीकों के उपयोग से सेवाओं में दक्षता तो बढ़ेगी, लेकिन राजस्व पर दबाव भी बढ़ेगा। लागत कम करने के दबाव और तकनीकी बदलावों के कारण आईटी कंपनियों को सौदों पर फिर से बातचीत करनी पड़ सकती है।

वॉरेन बफे को बीवायडी में निवेश से 4,500 फीसदी का मुनाफा

17 साल के बाद निकाला पूरा पैसा, 2008 में किया था निवेश

नई दिल्ली दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे ने 2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी के दौरान चीन की इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी बीवायडी में 23 करोड़ डॉलर के निवेश के साथ लगभग 10 फीसदी हिस्सेदारी ली थी। तब बीवायडी मुख्य रूप से मोबाइल फोन बनाती थी। बीते 17 वर्षों में बीवायडी का स्टॉक लगभग 4,500ः फीसदी बढ़ गया। बफे ने कंपनी में लंबे समय तक विश्वास बनाए रखा और शुरुआती 14 वर्षों तक कोई शेयर नहीं बेचे। 2022 में पहली बार उन्होंने स्टॉक्स बेचना शुरू किया और 2024 तक अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचकर करीब 41.5 करोड़ डॉलर (3,652 करोड़ रुपये) का मुनाफा कमाया। बीवायडी ने मोबाइल फोन से इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कारों के क्षेत्र में सफलता पाई और चीन की सबसे बड़ी ई-कार निर्माता कंपनी बन गई। कंपनी के स्टॉक ने हाल ही में अपना ऑल टाइम हाई भी छुआ था, लेकिन इसके बाद करीब 30 फीसदी की गिरावट आई। इस गिरावट से पहले ही बर्कशायर ने अपना सारा निवेश निकाल लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को लिखा खुला पत्र, स्वदेशी उत्पाद खरीदने-बेचने का आग्रह किया

जीएसटी सुधारों से 2.5 लाख करोड़ की बचत होगी, देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को खुला पत्र लिखकर स्वदेशी उत्पाद खरीदने और बेचने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इससे कई परिवारों की आजीविका बेहतर होगी और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। अपने पत्र में मोदी ने बताया कि जीएसटी सुधारों से लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये की बचत होगी, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। त्योहारी माहौल में मोदी ने सभी से जीएसटी बचत उत्सव मनाने का भी आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने राज्य सरकारों से उद्योग, विनिर्माण और निवेश में सुधारों को बढ़ावा देने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि नए जीएसटी सुधार एमएसएमई और छोटे कारोबारियों के लिए 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और 'ईज ऑफ कंप्लायंस' को आसान बनाएंगे। कम कर दरें और सरल नियमों से बिक्री में तेजी आएगी और नए व्यवसायों को प्रोत्साहन मिलेगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के राज्यों ने जीएसटी कटौती का स्वागत किया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने जागरूकता अभियान चलाने की घोषणा की। वहीं विपक्षी नेता ममता बनर्जी, सिद्धारमैया और ए रेवंत रेड्डी ने राजस्व नुकसान और मुआवजे को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण सहित अन्य मंत्रियों ने बाजारों का दौरा कर दुकानदारों और व्यापारियों से प्रतिक्रिया ली। सरकार ने इस बात पर नजर रखने की बात कही है कि जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे। दोषी व्यापारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भी एलान किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भोजन, दवाइयां, साबुन, टूथपेस्ट, बीमा जैसी वस्तुओं पर कर कम या शून्य होगा। 12 लाख रुपये तक की आय पर अब कोई आयकर नहीं लगेगा। इससे देश में 25 करोड़ लोग गरीबी से ऊपर उठ चुके हैं और मध्य वर्ग मजबूत हुआ है। इस तरह के सुधारों से भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी, रोजगार बढ़ेंगे और स्थानीय उत्पादन को मजबूती मिलेगी।

जीएसटी दरों में कटौती से कार, बाइक व एसी-टीवी की बिक्री में जोरदार उछाल

इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में लौटी रौनक, दिवाली तक दोगुनी बिक्री का अनुमान

नई दिल्ली

सरकार द्वारा कुछ 22 सितंबर से इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर जीएसटी दरों में की गई कटौती का असर बाजार में साफ दिखाई देने लगा है। विशेष रूप से एयर-कंडीशनर और टेलीविजन जैसे बड़े उपकरणों की बिक्री में भारी उछाल देखा गया है। त्योहारी सीजन की शुरुआत के साथ ही ग्राहक सस्ते सौदों को पकड़ने के लिए दुकानों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उमड़ पड़े हैं। रूम एयर कंडीशनर पर जीएसटी दर 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दी गई है, जिससे इन उत्पादों की कीमतों में हजारों रुपये तक की गिरावट आई है। हायर इंडिया के एक अे धिकारी ने बताया कि सोमवार को डीलरों ने किसी भी सामान्य दिन की तुलना में दोगुनी बिक्री की सूचना दी है। टीवी सेगमेंट में भी यही ट्रेंड देखा गया है। सुपर प्लास्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ अवनीत सिंह मारवाह के अनुसार, थॉमसन, कोडक जैसे ब्रांड्स की बिक्री में पहले ही दिन 30-35 फीसदी की वृद्धि हुई है। खासकर 43 और 55 इंच स्क्रीन वाले मॉडल्स की मांग काफी बढ़ी है। ब्लू स्टार के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि ग्राहक जीएसटी में आई कमी से काफी उत्साहित हैं और यह रुझान आगे भी जारी रहने की उम्मीद है। डीलरों का अनुमान है कि दिवाली तक इलेक्ट्रॉनिक्स की बिक्री पिछले साल के मुकाबले दोगुनी हो सकती है। त्योहारी सीजन में आमतौर पर साल की कुल बिक्री का 35 फीसदी हिस्सा होता है।

हर दिन बिक रहे 246 स्कूटर बजाज चेतक ईवी

नई दिल्ली

भारत के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में बजाज चेतक ईवी ने नया इतिहास रच दिया है। जनवरी 2020 में लॉन्च हुआ यह स्कूटर अब तक 5,10,000 से ज्यादा ग्राहकों तक पहुंच चुका है। खास बात यह है कि इनमें से 40 प्रतिशत यानी करीब 2,06,000 यूनिट्स पिछले 10 महीनों (नवंबर 2024 से) में बिकी हैं।

चेतक को यह उपलब्धि हासिल करने में कुल 69 महीने लगे। औसतन कंपनी हर महीने 7,391 यूनिट्स और रोजाना 246 यूनिट्स बेचने में सफल रही। हाल ही में रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी के कारण इसके प्रोडक्शन पर अस्थायी रोक लगानी पड़ी थी, जिससे बिक्री प्रभावित हुई। हालांकि, अब उत्पादन फिर से पटरी पर लौट आया है और फेस्टिव सीजन में इसकी बिक्री और बढ़ने की उम्मीद है। गौरतलब है कि चेतक ने ओला इलेक्ट्रिक को पछाड़कर कुछ समय पहले ही नंबर-1 की पोजीशन हासिल की थी। टीवीएस आईक्यूब के साथ भी यह लंबे समय तक टॉप स्पॉट पर रहा। इस सफलता का श्रेय बजाज के व्यापक नेटवर्क को भी जाता है। कंपनी के 3,800 से ज्यादा टचपॉइंट्स ग्राहकों को बेहतर सर्विस मुहैया कराते हैं।

अब तक बेची गई कुल यूनिट्स में से 3.48 लाख से ज्यादा स्कूटर्स सिर्फ पिछले 20 महीनों में बिके हैं। खास बात यह है कि पिछली 2 लाख यूनिट्स तो 10 महीने से भी कम समय में ग्राहकों तक पहुंचाई गईं। वर्तमान में चेतक का पोर्टफोलियो चार मॉडलों का है। चेतक 3001 में 3 केडब्ल्यूएच की बैटरी है, जबकि 3501, 3502 और 3503 वैरिएंट में 3.5 केडब्ल्यूएच का बड़ा बैटरी पैक मिलता है। इनकी कीमत 99,900 रुपए से शुरू होकर 1.35 लाख रुपए तक जाती है।

भारत की जीडीपी 6.5 फीसदी रहने की उम्मीदः रिपोर्ट

जून तिमाही में 7.8 फीसदी की वृद्धि हुई, जो उम्मीद से बेहतर है

नई दिल्ली

एक अमे रिकी कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार भारत की जीडीपी ग्रोथ इस वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी पर स्थिर रहने की संभावना है। जून तिमाही में 7.8 फीसदी की वृद्धि हुई, जो उम्मीद से बेहतर है। घरेलू मांग में मजबूती, जीएसटी सुधार और आयकर में बदलाव इसके प्रमुख कारण बताए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य मुद्रास्फीति में अधिक गिरावट आई है, जिससे पूरे वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान 3.2 फीसदी कर दिया गया है। इससे मौद्रिक नीति में बदलाव की गुंजाइश बढ़ी है और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से 25 बेसिस पॉइंट की ब्याज दर कटौती की उम्मीद है। एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में भारत में सरकारी निवेश के कारण निवेश में तेजी देखी गई है। उभरते बाजारों में घरेलू मांग भी मजबूत बनी हुई है, जो आर्थिक विकास को सहारा दे रही है। अगस्त में चीन के निर्यात में अमेरिका को शिपमेंट में कमी के बावजूद बड़ा असर नहीं दिखा, लेकिन अमेरिकी टैरिफ बढ़ने और वैश्विक आर्थिक वृद्धि धीमी होने से निर्यात में कमी आने की संभावना है। घरेलू मांग, हाउसिंग निवेश और उपभोग में गिरावट आई है। हाउसिंग क्षेत्र में गिरती बिक्री ने लोगों के विश्वास को प्रभावित किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 और 2026 की दूसरी छमाही में चीन की आर्थिक

वृद्धि लगभग 4 फीसदी पर धीमी रहने की संभावना है।

यह रिपोर्ट भारत और चीन दोनों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण संकेत देती है और आगे की नीतिगत तैयारियों के लिए मार्गदर्शक होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत और बांग्लादेश के बीच आज सुपर फोर में होगा मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश की टीमें बुधवार को एशिया कप 2025 के सुपर 4 में आमने-सामने होंगी। दोनो ही टीमों ने सुपर फोर का अपना पहला मैच जीता है। ऐसे में अब इनका लक्ष्य इस मैच को भी जीतकर फाइनल में जगह बनाना रहेगा। भारतीय टीम ने जहां पाकिस्तान को, वहीं बांग्लादेश ने श्रीलंका को हराया है। भारतीय टीम ने अपने सभी लीग मैच आसानी से जीते हैं। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार है हालांकि इसके बाद भी वह बांग्लादेश को हल्के में नहीं लेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के स्पिनरों पर नजरें रहेंगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो ये मुकाबला एकतरफा रहेगा। दोनों ही टीमों के बीच अब तक 17 टी20 मैच खेले गए हैं। इनमें से बांग्लादेश एक ही मैच जीता है।

बांग्लादेशी टीम भारत के सामने काफी कमजोर नजर आती है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव की टीम के लिए ये मैच जीतना कठिन नहीं होगा हालांकि बांग्लादेश के स्पिनर बेहतर प्रदर्शन करके बाजी उल्ट सकते हैं। जहां तक बल्लेबाजी की बात है। उसमें भी भारतीय टीम कहीं आगे है। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को रोकना बांग्लादेशी गेंदबाजों के लिए बेहद कठिन होगा। इसके अलावा शुभमन गिल भी अच्छे फार्म में हैं। बांग्लादेश की बल्लेबाजी कप्तान लिटन दास और तौहीद हृर्दय पर निर्भर रहेगी।

बांग्लादेश टीम इस मैच में पहले गेंदबाजी करना चाहेगी। उसका लक्ष्य भारत को कम स्कोर पर रोककर लक्ष्य का पीछा करना रहेगा। भारतीय बल्लेबाजो विशेषकर तिलक वर्मा और संजू सैमसन को बांग्लादेशी स्पिनरों से सावधान रहना होगा। ये दोनों चौथे या पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं और ऐसे में स्पिनरों का अधिक सामना करना होता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

बांग्लादेश- लिटन दास (कप्तान, विकेटकीपर), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृदोय, जेकर अली, शमीम हुसैन, नुरुल हसन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन, तस्कीन अहमद, शोरफुल इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन।

सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी के सामने पेश हुए पूर्व क्रिकेटर युवराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने आज पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह से ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े एक मामले में पूछताछ की है। ईडी ने धन शोधन के मामले में युवराज को पूछताछ के लिए कार्यालय में पेश होने को कहा था। युवराज दोपहर बारह बजे एजेंसी के दफ्तर पहुंचे। इससे पहले इसी मामले को लेकर सुरेश रैना, शिखर धवन ,रोबिन उत्थाप्पा सहित कुछ अन्य पूर्व क्रिकेटरों से भी पूछताछ हुई थी। युवराज समेत कई क्रिकेटर और फिल्मी सितारे इस इस ऐप का प्रचार कर रहे थे। इसी कारण कई फिल्मी सितारों से भी पूछताछ हुई है। वहीं सोनू सूद को बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

अधिकारियों ने कहा कि धन शोधन निरोधक अधिनियम के तहत युवराज के उनके बयान दर्ज किये। इसके अलावा पूर्व सांसद और बांग्ला अभिनेत्री मिमि चक्रवर्ती, अभिनेता अंकुश हाजरा से भी पूछताछ हुई है। अभिनेता सोनू सूद को बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

ईडी ऐसे सट्टेबाजी ऐप और प्लेटफार्म के खिलाफ व्यापक जांच कर रही है जिनपर करोड़ों रुपये की ठगी करने और कथित तौर पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों की भारी मात्रा में चोरी करने के आरोप हैं। इस जांच के तहत आने वाले दिनों में एजेंसी कुछ अन्य खिलाड़ियों, फिल्म अभिनेताओं, ऑनलाइन प्रभावशाली व्यक्तियों और मशहूर हस्तियों को भी पूछताछ के लिए बुला सकती है। अब तक करीब आधा दर्जन बड़ी हस्तियों से ईडी ने पूछताछ की है।

फरहान और रउफ पर प्रतिबंध लगा सकती है आईसीसी

दुबई (एजेंसी)। भारत के खिलाफ एशिया कप 2025 के सुपर फोर मुकाबले में करारी हार के बाद अब पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एक और झटका लग सकता है। इस मैच में भड़काउ जश्न के लिए उसके दो खिलाड़ियों साहिबजादा फ़रहान और हैरिस रउफ पर आईसीसी कड़ी कार्रवाई कर सकती है। इसके तहत इनपर भारी जुर्माना लगाने के अलावा प्रतिबंध भी लग सकता है। इन दोनो ही ही शिकायत आईसीसी से की गयी है। मैच रैफरी ने इसमें भारतीय टीम से सभी प्रकार के साक्ष्य रखने को कहा है। उसी के आधार पर आईपीसी सजा का फैसला करेगी। इस मैच में पाक सलामी बल्लेबाज फ़रहान ने अर्धशतक लगाने के बाद 'बंदूक से गोलीबारी' के स्टाइल में जश्न मनाया। इससे एक प्रकार से वह क्रिकेटर नहीं आतंकियों जैसा व्यवहार कर रहे थे

क्रिकेट में जब खिलाड़ी मैदान पर बंदूक चलाने की नकल करें, तो यह खेल से ज्यादा हिंसा और कट्टरता दिखाती है। भारत-पाकिस्तान मैच पहले ही तनाव और भावनाओं से भरे होते हैं। ऐसे में बंदूक जैसे प्रतीकों का इस्तेमाल आतंकियों का समर्थन करना है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मैच रेफरी ने भारतीय टीम से कहा है कि इस मुद्दे पर वो अपना पक्ष रखे, वहीं दोनों वीडियो के और एंगल इकठ्ठा किए जा रहे है। इस मैच में बल्लेबाजों की पिटाई से भड़के रउफ ने अपने हाथ से छह विमान गिराने के संकेत किये। इसके बाद भारतीय क्रिकेट प्रेमियों ने उन्हें जमकर निशाना बनाया और इस झूठ के लिए फटकार लगायी। वहीं फरहान ने जिस प्रकार बल्ले से गोलीबारी का इशारा किया उससे लोग भड़क गये।

इस प्रकार का व्यवहार नियमों के खिलाफ है।

आईसीसी आचार संहित के अनुसार अगर कोई भी जश्न विरोधी टीम या दर्शकों को भड़काए। उससे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। नियमों के तहत ही राजनीतिक, धार्मिक या हिंसक संदेश देने वाली हरकतों पर रोक है और अगर कोई खिलाड़ी खेल की भावना के खिलाफ जाता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है या उसे प्रतिबंधित किया जा सकता है।

बांग्लादेश कोच फिल सिमंस का बयान, कहा- हर टीम के पास भारत को हराने की काबिलियत

दुबई (एजेंसी)। बांग्लादेश के मुख्य कोच फिल सिमंस का मानना है कि भारत अजेय नहीं है और बुधवार को जब उनकी टीम एशिया कप सुपर चार के मुकाबले में मौजूदा विश्व चैंपियन से भिड़ेगी तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम ने पिछले चार मैचों में क्या हासिल किया है।

वेस्टइंडीज के लिए 1987 से 1999 तक खेलने वाले सिमंस से जब पूछा गया कि क्या इस भारतीय टीम को हराना संभव है तो उन्होंने कहा,'' हर टीम के पास इस भारतीय टीम को मात देने की क्षमता है।''

उन्होंने आगे कहा कि, मैच जिस दिन खेला जाता है उससे पहले क्या हुआ है, यह मायने नहीं रखता है। यह बुधवार को क्या होगा उस बारे में है। यह उस साढ़े तीन घंटे के खेल के दौरान प्रदर्शन के बारे में है। हम अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ खेलने की कोशिश करेंगे और उम्मीद है कि भारत की कमजोरियां ढूंढ पाएंगे। यही वह तरीका है जिससे हम मैच जीतते हैं।'' इस 62 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि वह भारत से जुड़े किसी भी मैच के माहौल को समझते हैं और चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी उस पल का लुत्फ उठाते हुए चुनौती का सामना करें।

बांग्लादेश के कोच ने कहा कि, हर मैच खासकर भारत से जुड़े मैचों में एक उत्साह होता है क्योंकि वे दुनिया की नंबर एक टी20 टीम हैं। हम बस इस उत्साह का लुत्फ उठाने लेने जा रहे हैं। सिमंस का मानना है कि दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम (डीआईसीएस) की पिच वास्तव में बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छी है और मैच में टॉस कोई बड़ा मसला नहीं होगा।

उन्होंने कहा, '' मैंने 40 ओवरों में विकेट में ज्यादा अंतर नहीं देखा। मुझे लगता है कि यह कुछ बेहतरीन विकेटों में से एक है जो मैंने यहां कुछ समय से देखे हैं। मुझे लगता है कि कल रात (भारत बनाम पाकिस्तान) भी ऐसा ही था। बांग्लादेश के कोच ने कहा, ''विकेट बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छा था। गेंदबाजों को सही गेंदबाजी करनी पड़ी। मुझे नहीं लगता कि टॉस का ज्यादा असर नहीं होगा।''

सिमंस ने कहा कि सितंबर की गर्मी में दुबई और अबुधाबी में लगातार क्रिकेट खेलना शारीरिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण है। वेस्टइंडीज के लिए 26 टेस्ट और 143 एकदिवसीय खेलने वाले इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, ''मुझे लगता है कि खिलाड़ी लगातार मैच खेलने के लिए काफी फिट हैं। लेकिन किसी भी टीम के लिए लगातार टी20 मैच खेलना चुनौतीपूर्ण है। यह जितना लोग सोचते हैं उससे कहीं ज्यादा मुश्किल है।

भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले बांग्लादेश को लगा झटका, बड़ा खिलाड़ी हो सकता है बाहर

दुबई। बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास को भारत के खिलाफ सुपर-4 मुकाबले से पहले चोट लगने की आशंका है, क्योंकि 22 सितंबर को आईसीसी अकादमी ग्राउंड में प्रशिक्षण के दौरान उनकी पीठ में खिंचाव आ गया। लिटन को नेट्स में स्क्वायर कट लगाने की कोशिश करते समय कमर के बाई ओर बेचैनी महसूस हुई और टीम के फिजियो बायजदि उल इस्लाम द्वारा जांच के बाद उन्होंने सत्र से नाम वापस ले लिया। बीसीबी के एक अधिकारी ने मंगलवार को क्रिकबज को बताया, 'हम आज लिटन की जांच करेंगे क्योंकि बाहर से वह बिल्कुल ठीक लग रहे हैं, लेकिन अंतिम निर्णय लेने से पहले हमें उनका मेडिकल मूल्यांकन करना होगा।' हालांकि लिटन इस घटना के बाद ज्यादा असहज नहीं दिखे, लेकिन उनकी अनुपस्थिति बांग्लादेश के लिए एक बड़ा झटका साबित होगी। यह भी स्पष्ट नहीं है कि उनकी अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी कौन करेगा, क्योंकि बीसीबी ने टूर्नामेंट के लिए किसी उप-कप्तान की घोषणा नहीं की है। बांग्लादेश ने अपने सुपर-4 अभियान की शुरुआत श्रीलंका पर शानदार जीत के साथ की।

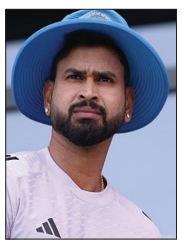

श्रेयस ने निजी कारणों से भारत ए की कप्तानी छोड़ी

नई दिल्ली । बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं। श्रेयस अचानक ही भारत ए की कप्तानी छोड़कर मुम्बई लौट गये हैं। श्रेयस की कप्तानी में ही भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहला अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेला था जो ड्रॉ रहा था। श्रेयस ने निजी कारणों से दूसरे मैच से अपना नाम वापस लिया है। उनके बाहर जाने से अब भारत ए की कप्तानी ध्रुव जुरेल या फिर रजत पाटीदार टीम को मिल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार ये पता नहीं चला है कि श्रेयस ने अचानक ऐसा फैसला क्यों किया है। उन्होंने अपनी फैसले की जानकारी बीसीसीआई को भी दे दी है।

गांगुली दूसरी बार बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष बने

कोलकात। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली दूसरी बार बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष बने हैं। अभी इस पद पर उनके बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली थे। गांगुली ने दूसरी बार अध्यक्ष बनने पर कहा कि ईडन गार्डन्स स्टेडियम की क्षमता को बढ़ाकर एक लाख के करीब किया जाएगा। इसके अलावा अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के अहम मैचों की मेजबानी हासिल करना भी प्रयास किया जाएगा। गांगुली को सोमवार को कोलकाता में सीएबी की 94वीं वार्षिक आम बैठक में निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। वह इससे पहले साल 2015 से 2019 तक सीएबी अध्यक्ष रहे थे। गांगुली साल 2019 से 2022 तक बीसीसीआई अध्यक्ष भी रहे थे। गांगुली ने कहा कि उनका पहला काम नवंबर में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले पहले टेस्ट के लिए ईडन को पूरी तरह से तैयारी करना रहेगा। यह 2019 में बांग्लादेश के खिलाफहुए दिन रात्रि टेस्ट मैच के बाद ईडन गार्डन्स में पहला टेस्ट होगा। गांगुली को उम्मीद हैं की भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें ईडन गार्डन्स में उपलब्ध सुविधाओं का आनंद उठाएगी। उन्होंने कहा, ''यह एक अच्छा टेस्ट मैच होगा, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका विश्व चैंपियन है। इस स्टेडियम में सब कुछ मौजूद है। अच्छी पिचें, अच्छे दर्शक और, बुनियादी ढांचा है।'' गांगुली रविवार को बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की वार्षिक आम बैठक में सीएबी का प्रतिनिधित्व करेंगे। बीसीसीआई रविवार को मुंबई में होने वाली अपनी वार्षिक आम बैठक में दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास को अपना नया अध्यक्ष चुनने जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, स्टार ऑलराउंडर वनडे विश्व कप से बाहर

स्पोर्ट्स डैस्क। ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ा झटका लगा, जब स्टार ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस चोट के कारण आगामी आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 से बाहर हो गई। यह विश्व कप 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। हैरिस को भारत के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में पिंडली में खिंचाव की चोट लगी, जो संयोग से मार्च 2024 के बाद से इस प्रारूप में उनकी पहली वापसी थी।

इस चोट ने इस ऑलराउंडर की भारत और श्रीलंका में होने वाले टूर्नामेंट के दौरान अपना पहला वनडे विश्व कप मैच खेलने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। हैरिस ऑस्ट्रेलिया के 2022 विश्व कप विजेता अभियान का हिस्सा थीं, लेकिन एक भी मैच नहीं खेल पाई। हैरिस निचले क्रम में अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं। उनका टी20आई स्ट्राइक रेट 155.52 का है और वे एक उपयोगी ऑफ-स्पिनर भी हैं, जिन्होंने 21 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं।

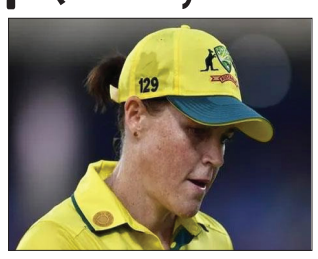

ग्रेस हैरिस ने सफेद गेंद क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। मार्च 2024 के बाद से ऑस्ट्रेलिया के लिए कोई भी वनडे मैच नहीं खेलने के बावजूद, ग्रेस हैरिस ने अपने हालिया सफेद गेंद वाले मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है। टी20 ब्लास्ट में सरी के लिए खेलते हुए, उन्होंने लगभग 158 के स्ट्राइक रेट से 338 रन बनाए।

चोटिल ग्रेस हैरिस की जगह ऑस्ट्रेलियाई आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 टीम में हीथर ग्राहम को शामिल किया जाएगा। वह वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती दो महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग मैचों के बाद भारत में टीम से जुड़ेंगी। ग्राहम एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं, जिन्होंने 6 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 9 विकेट लिए हैं। हैरिस की तरह, ग्राहम ने भी इंग्लिश घरेलू लीग में अच्छा प्रदर्शन किया है।

आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 के लिए अपडेटेड ऑस्ट्रेलियाई टीम- एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, ऐश गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी नहीं खेलेंगे ऋषभ

मुम्बई । इंग्लैंड दौरे में चोटिल हुए भारतीय टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी टल गयी है। ऋषभ को वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले माह होने वाली दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए भी शामिल नहीं किया गया है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज को इंग्लैंड में चौथे टेस्ट के दौरान चोट लग गयी थी। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। वेस्ट इंडीज सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा 24 सितंबर की जा सकती है। चयनसमिति ऋषभ को फिट होने के लिए पर्याप्त समय दिये जाने के पक्ष में है। एक रिपोर्ट के मुताबिक चयन समिति 15 खिलाड़ियों का चयन करेगी। ऋषभ को मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट के दौरान बाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया था। अभी ये विकेटकीपर बल्लेबाज चोट से उबर गया है पर ताकत और कंडीशनिंग का अभ्यास कर रहा है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी फिटनेस पर नजर रखे हुए है। भारतीय टीम वेस्टइंडीज सीरीज के बाद 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में एक सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी। इस दौरे में युवा ध्रुव जुरेल को विकेटकीपर बल्लेबाज की जिम्मेदारी मिलना तय है। जुरेल अभी लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेल रहे हैं। उन्हें इंग्लैंड दौरे में अंतिम दो टेस्ट में विकेटकीपिंग की थी।

थिम्मप्पिया मेमोरियल टूर्नामेंट में अर्जुन तेंदुलकर ने लिया समित द्रविड़ का विकेट

अलूर (एजेंसी)। कर्नाटक के अलूर में एक स्थानीय टूर्नामेंट में दो महान क्रिकेटरों के बेटे आमने-सामने नजर आये। यहां सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ अलग-अलग टीमों से उतरे थे। ऐसे में बल्लेबाजी कर रहे समित का विकेट गेंदबाजी कर रहे अर्जुन ने लिया। समित केएससीए सेक्रेटरी इलेवन के लिए खेल रहे थे।

समित ने थिम्मप्पिया मेमोरियल टूर्नामेंट में 26 गेंदों पर 9 रन रन बनाये। जिसमें दो चौके शामिल थे पर अर्जुन तेंदुलकर की गेंद पर वह कैच हो गये।

अर्जुन 25 साल के हो चुके हैं जबकि समित अभी 19 साल के हैं। अर्जुन गेंदबाजी करते हैं और अपने करियर को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं तो समित अच्छा बल्लेबाज बनना चाहते हैं।

इस टूर्नामेंट में कर्नाटक के कुछ शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों के अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले करुण नायर और प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल थे। इस टूर्नामेंट को 2025-26 रणजी ट्रॉफी सत्र के लिए अभ्यास की तरह देखा जा रहा है, जिससे प्लेयर्स की फॉर्म और फिटनेस का आंकलन किया जाएगा।

शाहिद अफरीदी ने अंपायरों पर लगाया पक्षपात का आरोप

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने एशिया कप क्रिकेट 2025 में भारतीय टीम के हाथों मिली करारी हार के लिए अंपायरों को दोषी बताया है। अफरीदी ने आरोप लगाया है कि आईपीएल में अवसरों को देखते हुए अंपायर भारतीय टीम के पक्ष में फैसले देते है। अफरीदी ने इस मैच में फखर जमां को आउट दिए जाने के फैसले पर भी सवाल उठाये। फखर को हार्दिक पंड्या की गेंद पर संजू सैमसन ने कैच किया था जिसे थर्ड अंपायर ने सही मानते हुए उन्हें आउट करार दिया। अफरीदी ने कहा कि सभी अंपायर भारत की आईपीएल में काम करना चाहते हैं। ऐसे में वे बेहतर करियर की उम्मीद में अन्य टीमों के खिलाफ फैसले देते हैं। अफरीदी ने तंज कसते हुए कहा, 'उन्हें आईपीएल में भी तो अंपायरिंग करनी है.' वहीं एक और पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने अफरीदी की बात का समर्थन किया। साथ ही कहा, 'अंपायरों ने अलग एंगर से रिप्ले नहीं देखा। फखर ने तीन चौके मारे थे और पहले ओवर में ही बुमराह का सामना आराम से कर रहे थे। ऐसे में भारतीय टीम को उनका विकेट चाहिये था। वहीं पाक कप्तान सलमान ने कहा कि उन्हें लगा कि गेंद विकेटकीपर के दस्तानों में जाने से पहले जमीन पर टकराई थी। सलमान ने मैच के बाद कहा, 'अंपायर गलतियां कर सकते हैं पर मुझे लगा कि यह गेंद विकेटकीपर के आगे उछली थी हालांकि मैं गलत हो सकता हूं। साथ ही कहा कि जिस तरह से फखर बल्लेबाजी कर रहे थे, अगर उन्होंने पावर प्ले में बल्लेबाजी की होती, तो हम शायद 190 रन बना सकते थे।'

अभिषेक शर्मा का खुलासा, व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहे थे पाकिस्तानी गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2025 के सुपर-4 राउंड में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले में दर्शकों ने क्रिकेट का असली रोमांच देखा। भारत ने इस मैच में 6 विकेट से जीत दर्ज की, लेकिन खेल का असली आकर्षण रन बनाने के साथ-साथ खिलाड़ियों के बीच हुई तनातनी भी रही। भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने खुलासा किया कि पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों ने उन्हें बार-बार उकसाने के लिए व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहे थे।

शुरुआती ओवरों से चढ़ा पारा

मैच की शुरुआत में ही तनाव बढ़ गया था। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज लगातार भारतीय बल्लेबाजों को शब्दों के जरिए विचलित करने की कोशिश कर रहे थे। खासतौर पर शुरुआती स्पेल के दौरान शुभमन गिल और शाहीन अफरीदी के बीच हुई बहस ने माहौल गरमा दिया। इसके बाद हारिस रऊफ भी अभिषेक शर्मा से भिड़ गए, जिसके चलते अंपायरों को दखल देना पड़ा।

अभिषेक का सख्त जवाब

मैच के बाद अभिषेक शर्मा ने स्पोर्ट्स शो में बातचीत करते हुए साफ किया कि उन्हें विपक्षी टीम का व्यवहार कतई पसंद नहीं आया। उनके मुताबिक, पाकिस्तान के गेंदबाज हर गेंद के बाद व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहे थे, जो खेल की भावना के खिलाफ है। अभिषेक ने कहा कि उन्होंने और गिल ने तय किया कि बहस करने के बजाय रन बनाकर ही जवाब दिया जाए।

साझेदारी ने बदला खेल का रुख

भारतीय टीम की जीत में गिल और अभिषेक की शतकीय साझेदारी सबसे अहम रही। दोनों बल्लेबाजों ने न केवल टीम को शुरुआती दबाव से निकाला बल्कि पाकिस्तानी आक्रमण को भी ध्वस्त कर दिया। अभिषेक ने कहा कि गिल के साथ उनकी समझ काफी पुरानी है और यही तालमेल मैच में काम आया।

आत्मविश्वास का राज

अभिषेक ने आगे कहा कि उनका आत्मविश्वास टीम के भरोसे से आता है। टीम मैनेजमेंट और साथी खिलाड़ी लगातार उन्हें समर्थन देते हैं, जिससे वह मैदान पर खुलकर खेल पाते हैं। उन्होंने कहा कि जब पूरी टीम आपके पीछे खड़ी हो, तो जवाब भी उसी स्तर का देना चाहिए।

मैदान पर खेल, शब्दों से नहीं

भारत की यह जीत एक बार फिर इस बात का सबूत है कि मुकाबले बल्ले और गेंद से जीते जाते हैं, न कि शब्दों की जंग से। पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने जिस तरह की रणनीति अपनाई, उसका जवाब भारतीय बल्लेबाजों ने शांत रहकर रन बनाकर दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है। पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

इंटरव्यू की खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है।

शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुलिस इंस्पेक्टर की रेबीज से मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद सिटी पुलिस में ड्यूटी पर तैनात पुलिस इंस्पेक्टर की रेबीज से सोमवार की शाम मौत हो गई। तबियत बिगडऩे पर उन्हें रविवार की रात केडी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। जांच में पता चला था कि रेबीज का इंफेक्शन उनके पूरे शरीर में फैल गया है। 50 साल के इंस्पेक्टर वनराजसिंह मंजारिया 25 सालों से पुलिस बल में काम करते थे। उनके रिश्तेदारों ने बताया कि उन्हें डॉग्स पालने का बहुत शौक था। उनके फॉर्म हाउस में डॉग्स थे। कुछ दिन पहले ही वे एक स्ट्रीट डॉग लाए थे। इसी डॉग के काटने से उनके पैर के नाखून में चोट लगी थी। हालांकि, मंजारिया को इसका पता नहीं चला या फिर उन्होंने इसे सीरियसली नहीं लिया।

पीके को 100 करोड़ की मानहानि नोटिस

पटना (एजेंसी)। मंत्री और जदयू के राष्ट्रीय महासचिव अशोक चौधरी ने जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को 100 करोड़ का मानहानि नोटिस भेजा है। पीके ने 3 दिन पहले अशोक चौधरी पर 200 करोड़ की जमीन खरीदने का आरोप लगाया था। इस मामले में अशोक चौधरी ने बिना शर्त माफी मांगने के कहा है। उन्होंने नोटिस में कहा कि प्रशांत किशोर की ओर से लगाए जा रहे आरोप भ्रामक और उनकी घबराहट और बौखलाहट का परिणाम हैं। इससे पहले भी प्रशांत किशोर पर मानहानि का मामला दायर किया था, जिसके बाद 17 सितंबर को कोर्ट ने पेशी के लिए उन्हें बुलाया था।

4 दोस्तों समेत 5 की जिंदा जलकर मौत

अलीगढ़ (एजेंसी)। अलीगढ़ में जीटी रोड पर 5 की जिंदा जलकर मौत हो गई। यहां 100 की स्पीड से जा रही कार का अचानक टायर फट गया। इससे कार बेकाबू होकर डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरे साइड से जा रहे कैंटर से टकरा गई। राहगीर ने एक को खींचकर बाहर निकाला। इसके बाद तेज धमाका हुआ, फिर दोनों वाहनों में आग लग गई। हादसे में कार सवार सभी चार लोग और कैंटर चालक जिंदा जल गए। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस फायर ब्रिगेड की टीम के साथ मौके पर पहुंची। 20-25 मिनट में आग बुझाई गई। इसके बाद पुलिस ने देखा तो शवों के सिर्फ कंकाल बचे थे। बॉडी बैग में पुलिस सभी शवों को लेकर गई। अभी किसी की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

भारत का इकलौता सक्रिय ज्वालामुखी फटा

पोर्ट ब्लेयर (एजेंसी)। अंडमान-निकोबार के बैरन आइलैंड में बीते 8 दिनों के भीतर दो बार हल्के ज्वालामुखी विस्फोट हुए हैं। यहां भारत का इकलौता सक्रिय ज्वालामुखी है। यह ज्वालामुखी 13 और 20 सितंबर को फटा, हालांकि दोनों बार विस्फोट हल्के दर्जे के थे और आसपास के इलाकों पर किसी तरह का खतरा नहीं है। बैरन आइलैंड पोर्ट ब्लेयर से करीब 138 किलोमीटर दूर है और यह दक्षिण एशिया का इकलौता सक्रिय ज्वालामुखी है। यह लगभग 3 वर्ग किलोमीटर का निर्जन द्वीप है, जिस पर ज्वालामुखी की राख और पत्थर फैले रहते हैं। यह द्वीप 354 मीटर ऊंचा है और अंडमान-निकोबार की खास पहचान माना जाता है।

कार और मिनी बस की हुई भीषण टक्कर, पांच लोग जिंदा जले

अलीगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें कार और मिनी बस की टक्कर के बाद भीषण आग लग गई, जिसकी चपेट में आने से पांच लोग जिंदा जल गए। मृतकों में एक महिला और एक बच्चा भी शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा नेशनल हाईवे पर हुआ, जहां टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग भड़क उठी। हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल भी हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी) के नेतृत्व में पुलिस, दमकल विभाग की गाड़ियां और एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू किए गए। ग्रामीण एसपी अमृत जैन ने बताया कि हमें सूचना मिली कि गोपी पुल के पास दो वाहनों की टक्कर हो गई, जिसके बाद दोनों में आग लग गई। पुलिस, दमकल और एम्बुलेंस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। घायलों को वाहनों से निकाला गया और आग पर काबू पा लिया गया। मामले की विस्तृत जांच जारी है और अधिक जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

गैंगस्टर रोहित गोदारा ने खोली, लॉरेंस बिश्नोई की पोल कहा- अमेरिका से मिला रखा है हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैंगस्टर रोहित गोदारा ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर हलचल मचा दी है। इस बार उसने सीधे लॉरेंस बिश्नोई पर हमला बोलते हुए उसे 'गद्दार' करार दिया है। गोदारा ने गंभीर आरोप लगाया कि लॉरेंस ने अपने भाई अनमोल को बचाने के लिए अमेरिकी एजेंसी से हाथ मिलाया और अब देश की खुफिया जानकारी वहां लीक करता है। बता दें कि कभी रोहित गोदारा, गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई एक ही गैंग का हिस्सा थे, लेकिन इस साल उनके बीच दरार आ गई। अब गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा एक साथ हैं, जबकि लॉरेंस बिश्नोई का गैंग अलग हो चुका है।

गोदारा ने अपनी पोस्ट में कहा कि लॉरेंस को सनातन धर्म का कोई अर्थ तक नहीं पता, वह केवल 9 दिन का व्रत करके और मीडिया में फोन लगाकर सुर्खियां बटोरने की कोशिश करता है। उसने दावा किया कि लॉरेंस असल में धार्मिक नहीं बल्कि दिखावटी सनातनी है। हालांकि, ईएमएस इस सोशल मीडिया पोस्ट की पुष्टि नहीं करता है। अमेरिका एजेंसी से मिलके अपने भाई (अनमोल) को बचाया। और अब देश की खुफ़िया बातें उनको बताता है। और उनको हम जितने भी भाई बाहर बैठे हैं। उन सबकी मुखबीरी करता है और ये उसके (सलमान खान) नाम का जो फेम लेता रहता है। ये खुद हमको कहता आया है कि भाई फेम के लिये इसको मारना है। और जिस चीनू बहन (आनंदपाल जी) के लिये ये गलत बोल रहा है। उसको ये बहन कहता था! वो हमारी छोटी बहन है। और इसको सनातन नाम का अर्थ भी नहीं पता। 9 दिन का नवरात्रा करने से पहले तो मीडिया को फ़ोन करके बताता है। ये (लॉरेंस) गद्दार और कुत्ता है। मीडिया से मेरा निवेदन है कि इस कुत्ते के साथ हमारी कोई फोटो और हमारा नाम ना जोड़े।

भारत पर टैरिफ लगाकर अमेरिका को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे ट्रंप : शशि थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत पर भारी टैरिफ लगाने के बाद विवादित बयान दे रहे अमेरिका के नेताओं को कांग्रेस नेता शशि थरूर ने आईना दिखा दिया है। उन्होंने बताया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगता है कि टैरिफ बहुत बड़ा हथियार है, जबकि इससे अमेरिका को सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है। ट्रंप ने भारत पर कुल 50 फीसदी शुल्क लगाया है, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे ज्यादा है।

कांग्रेस नेता थरूर ने कहा, ...ट्रंप को ऐसा लगता है कि टैरिफ दुनिया की कई समस्याओं को सुलझाने के जादुई हथियार है। उन्हें लगता है कि कई चीजें जो पहले अमेरिका में बनती थी, अब विदेश से आ रही हैं। वह इन चीजों और ज्यादा महंगा बनाना चाहते हैं, ताकि अमेरिकी निर्माता अमेरिका में और ज्यादा काम करें और अमेरिका के कागारों को रोजगार दें, जो उनके मेगा क्षेत्र में शामिल हैं। दूसरी बात ट्रंप को लगता है कि टैरिफ देश के राजस्व का बड़ा जरिया हैं। वे उम्मीद कर रहे हैं कि जैसे कि वह दावा करते हैं कि टैरिफ कलेक्ट कर हर महीने अरबों डॉलर का राजस्व आ रहा है, जिससे वह घाटे को कम कर देने वाले है।

उन्होंने कहा, इन दोनों की वजह खुद ट्रंप की उनके बयानों और ट्वीट्स में इस्तेमाल की गई भाषा और इसके बाद उनके सलाहकार नवारो की ओर से दिए गए आपत्तिजनक बयान हैं, जिसका विरोध देशभर में हुआ। अगर 30 साल के संबंधों में कोई खास परेशानी नहीं थी, जो पहले ही और मजबूत होता जा रहा था, तब आपको भारत के प्रति ऐसी भाषा इस्तेमाल करने की जरूरत क्या थी? इस बिल्कुल पसंद नहीं किया गया।

बात दें कि ट्रंप के सहयोगी नवारो भारत पर लगातार निशाना साध रहे हैं। 16 सितंबर को ही नवारो ने कहा है कि भारत 'बातचीत की मेज पर आ रहा है।' उन्होंने कहा कि दुनिया के प्रमुख देशों की तुलना में भारत सबसे ज्यादा शुल्क लगाता है। उनकी यह टिप्पणी ट्रंप प्रशासन के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच की प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर दिन भर चलने वाली वार्ता से पहले आई थी।

देश को चलाने वाली पार्टी, खुद के राष्ट्रीय अध्यक्ष को चुन नहीं पा रही : संजय राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के चुनाव में देरी पर अब विपक्ष तंज कस रहा है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के सदस्य दल शिवसेना (यूबीटी) ने आरोप लगाया हैं कि देश को चलाने वाली पार्टी अपने खुद के राष्ट्रीय अध्यक्ष को चुन नहीं पा रही है। उनका दावा है कि किसी एक नेता के नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है। फिलहाल, इस बयान पर भाजपा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। शिवसेना (यूबीटी) से राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा, एकमत नहीं हो रहा है नाम के ऊपर यह भी सच है। एक पार्टी देश चला रही है, लेकिन अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन नहीं कर पा रही है। आप चुनाव आयोग को बदल सकते हो, आप सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को बदल सकते हो, आप किसी को भी बदल सकते हो। उन्होंने कहा, आप उपराष्ट्रपति को घर भेज सकते हो, लेकिन आपकी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन नहीं कर सकते है। यह क्या मामला है, देश को पता होना चाहिए। आप कल राष्ट्रपति को भी घर भेज सकते हैं, जैसे धनखड़ साहब को भेजा है, लेकिन आप अपनी पार्टी का अध्यक्ष नहीं चुन सकते। फिलहाल, केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ही भाजपा की कमान संभाल रहे हैं और इससे पहले उन्हें कार्यकाल विस्तार मिल चुका है। यह साफ नहीं है कि भाजपा कब तक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करेगी, लेकिन अटकलें लगाई जा रही हैं कि बिहार विधानसभा चुनाव के पहले पार्टी नया कप्तान चुन सकती है।

आजम खान की रिहाई से पहले फंसा पेंच, फिलहाल नहीं आ पाए जेल से बाहर

सीतापुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री आजम खान की आज यानी मंगलवार सुबह सात बजे जेल से रिहाई होनी थी, लेकिन एक गलती की वजह से अब कहा जा रहा है कि कुछ विलंब बाद ही वह जेल से बाहर आ सकेंगे। दरअसल रिहाई से संबंधित चालान जमा न होने के चलते आजम खान की रिहाई रुकी हुई है। उधर, 23 महीने बाद जेल से बाहर आ रहे आजम खान को रिसीव करने के लिए उनके समर्थक सुबह से ही सीतापुर जेल पहुंच रहे हैं। उनके बेटे अदीब आजम भी सीतापुर पहुंचे हैं। जेल सूत्रों का कहना है कि 70 मुकदमों में आजम खान की रिहाई का आदेश आया है।

आजम खान अक्टूबर 2023 से जेल में बंद हैं। भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने तीन जनवरी 2019 को गंज कोतवाली में मोहम्मद आजम खान, अब्दुल्ला आजम और तजीन फातिमा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें आरोप लगाया था कि अनुचित लाभ लेने के लिए आजम खां और तजीन फातिमा ने बेटे अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाण पत्र बनवाए हैं। सुरक्षा कारणों से तजीन फात्मा को रामपुर जेल में ही रखा गया था जबकि, आजम खां को सीतापुर और अब्दुल्ला आजम को हरदोई जेल भेजा गया था। तजीन और अब्दुल्ला को पूर्व में जमानत पर रिहाई मिल गई थी लेकिन, आजम खान के रिहाई परवाने सोमवार को जारी हुए हैं। उनकी रिहाई को लेकर समर्थकों में खुशी की लहर है। रामपुर से लेकर सीतापुर तक उनके इस्तकबाल के लिए जश्न की तैयारियां की जा रही हैं। आजम खान से जुड़े डूंगरपुर प्रकरण में मुरादाबाद के एलआईयू इंस्पेक्टर शरद पंवार कोर्ट में पेश हुए। एडीजीसी सीमा सिंह राणा ने बताया कि इस केस में अगली सुनवाई 26 सितंबर को होगी। 2020 में कोर्ट में सरेंडर करने के बाद आजम खां को रामपुर जेल से सीतापुर की जेल शिफ्ट किया गया था। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मंजूर होने के बाद आजम खां करीब 27 माह बाद 20 मई 2022 को सीतापुर की जेल से रिहा हुए थे। रामपुर में अब्दुल्ला आजम के दो पैनकार्ड और दो पासपोर्ट प्रकरण में सोमवार को सुनवाई थी लेकिन, अधिवक्ताओं के न्यायिक कार्य से विरत रहने के चलते सुनवाई टल गई।

कोलकाता की बारिश ने मचाई तबाही, करंट से 5 की गई जान, मेट्रो सेवाएं भी हुईं बाधित

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में बारिश ने जमकर तबाही मचाई है। यहां मूसलाधार बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया है, जिसमें करंट भी उतरने की बात सामने आई है। करंट लगने की वजह से अब तक कुल 5 लोगों की मौत हुई है। पिछले 6 घंटों में शहर में 250 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हुई, जिससे शहर के कई हिस्सों में घुटनों तक पानी भर गया है।

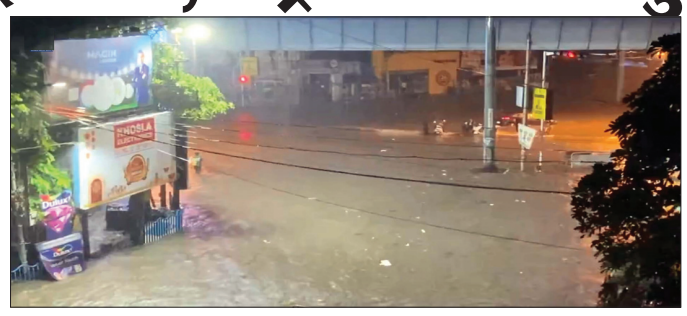

महानायक उत्तम कुमार और रवींद्र सरोबर स्टेशनों के बीच जलभराव हो गया है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, शहीद खुदीराम से मैदान स्टेशन के बीच मेट्रो सेवाएं रोक दी गई हैं। दक्षिणेश्वर और मैदान स्टेशनों के बीच मेट्रो सेवाएं कम संख्या में चलाई जा रही हैं। पानी को पंप से बाहर निकाला जा रहा है। मेट्रो रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने के लिए मौके पर पहुंच गए हैं।

आईएमडी के मुताबिक उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण यह बारिश हुई है। रात भर हुई बारिश की वजह से शहर की कई सड़कों में पानी भर गया। कई घरों और आवासीय परिसरों में भी पानी घुस गया है। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के मुताबिक, गरिया कामदाहरी में 332 मिमी, जोधपुर पार्क में 285 मिमी, कालीघाट में 280 मिमी, टॉलिगंज में 275 मिमी, और बालीगंज में 264 मिमी बारिश दर्ज की गई। रात में हुई मूसलाधार बारिश के बाद, हावड़ा स्टेशन यार्ड, सियालदह दक्षिण स्टेशन यार्ड, चितपुर उत्तर केबिन, विभिन्न कार-शेड और सियालदह यार्ड के विभिन्न स्थानों पर जलभराव देखा गया। हावड़ा और सियालदह मंडलों की रेलवे लाइनों पर पानी भर गया है। जमा हुए पानी को निकालने के लिए कई जगहों पर पानी के पंप लगाए गए हैं, लेकिन आस-पास के सिविल क्षेत्र से भी पानी भर जाने के कारण, पानी वापस रेलवे यार्ड में बह रहा है, जिससे और भी मुश्किलें पैदा हो रही हैं।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना है, जिसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। इससे दक्षिण बंगाल के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। बुधवार तक पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, दक्षिण 24 परगना, झाड़ग्राम और बांकुरा जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने यह भी बताया कि 25 सितंबर के आसपास पूर्व-मध्य और उत्तर बंगाल की खाड़ी के आस-पास एक और नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे आने वाले दिनों में और बारिश हो सकती है।

आयुष्मान भारत योजना के सात वर्ष पूरे होने के मौके पर पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना के सात वर्ष पूरे होने के मौके पर बधाई दी। उन्होंने पोस्ट में कहा, 'इसकी बदौलत, भारत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में एक क्रांति का गवाह बन रहा है। योजना ने वित्तीय सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया है। भारत ने दिखाया है कि कैसे पैमाने, करुणा और तकनीक मानव सशक्तीकरण को और आगे बढ़ा सकते हैं।' इसके अलावा, केंद्र सरकार ने एक्स के 'माई गव इंडिया' अकाउंट पर भी योजना का जिक्र किया। योजना का जिक्र कर पोस्ट में कहा गया कि आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के सात वर्ष पूरे होने पर, भारत एक स्वास्थ्य सेवा क्रांति का जश्न मना रहा है, जिसने 55 करोड़ से ज्यादा नागरिकों के लिए वित्तीय सुरक्षा, सार्वभौमिक पहुंच और सम्मानजनक देखभाल सुनिश्चित करते हुए, स्वास्थ्य सेवाओं की नई परिभाषा गढ़ी है। यह एक ऐसी योजना है, जो इस बात का खाका तैयार करती है कि कैसे दूरदर्शी नीतियां जन स्वास्थ्य की नियति को नए सिरे से लिख सकती हैं। बता दें कि आयुष्मान भारत योजना भारत सरकार की स्वास्थ्य बीमा योजना है, जो 50 करोड़ से अधिक गरीब और कमजोर लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं देती है। इसमें प्रति परिवार 5 लाख रुपए तक का वार्षिक कवरेज शामिल है, जो अस्पताल में भर्ती होने पर लागू होता है। इसका लक्ष्य स्वास्थ्य देखभाल को सस्ता और सुलभ बनाना है।

पाबंदी: अब भारत के हवाई क्षेत्र में नहीं घुस पाएंगे पाकिस्तान के हवाई जहाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। आए दिन कुछ न कुछ भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देता नजर आता है। उसकी हरकतों के चलते भारत ने पाकिस्तान के हवाई जहाजों को भारत के हवाई क्षेत्र में घुसने पर प्रतिबंध लगा दिया है। नया नोटिस टू एयरमेन (नोटम) भारत की एविएशन अथॉरिटी की ओर से जारी किया गया। यह कदम पाकिस्तान के नोटम के कुछ दिनों बाद उठाया गया है, जिसमें पाकिस्तान ने भारतीय विमानों और एयरलाइंस के लिए अपने हवाई क्षेत्र को उसी समय तक बंद करने की घोषणा की थी।

बता दें कि हाल ही में पाकिस्तान ने दो दिन पहले अपने ताजा नोटम के साथ हवाई क्षेत्र बंदी को बढ़ाया था, जो पिछले बंदी नोटिस के 24 सितंबर को समाप्त होने से कुछ दिन पहले जारी किया गया था। पाकिस्तान के इस विस्तार के बाद पिछले भारतीय नोटम के तहत अपने हवाई क्षेत्र की बंदी को बढ़ाने की संभावना थी। भारत की ओर से जारी नया नोटम पिछले नोटिसों के समान है। भारत अपने हवाई क्षेत्र को पाकिस्तानी एयरलाइंस और विमानों (सैन्य उड़ानें भी शामिल) के लिए 24 अक्टूबर को सुबह 5:29 बजे तक बंद रखेगा। पाकिस्तान का ताजा नोटम भी हवाई क्षेत्र बंदी के लिए उसी तारीख और समय को दर्शाता है। अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच संबंधों में तनाव बढ़ा हुआ है। पाकिस्तान ने 24 अप्रैल को हवाई क्षेत्र बंद करने की शुरुआत की। शुरू में एक महीने के लिए भारतीय विमानों और एयरलाइंस को पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के ऊपर से उड़ान भरने से रोक गया। भारत ने 30 अप्रैल को जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी विमानों और एयरलाइंस के लिए अपने एयरस्पेस को बंद कर दिया। तब से, दोनों देश मासिक आधार पर नोटम जारी करके इस बंदी को बढ़ा रहे हैं। भारत और पाकिस्तान ने एक-दूसरे की एयरलाइंस और विमानों पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन उनके हवाई क्षेत्र दूसरे देशों की एयरलाइंस और विमानों को लेकर उड़ान भरने के लिए खुले हुए हैं।

अंतरिक्ष में सैटेलाइट्स को सुरक्षित करने इसरो तैनात करेगा स्पेस एस400

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन और पाकिस्तान से मिल रही चुनौतियों को लेकर मोदी सरकार सतर्क दिख रही है। भारत सरकार ने बॉडीगार्ड सैटेलाइट्स का एक बेड़ा तैयार करने की योजना तैयार की है, जिसका मकसद अंतरिक्ष में भारतीय उपग्रहों की रक्षा प्रदान करना है। यह पहल भारत की अंतरिक्ष-आधारित सुरक्षा को मजबूत करने की एक बड़ी योजना का हिस्सा है। इन सैटेलाइट्स को अक्सर स्पेस एस400 भी कहा जाता है, क्योंकि इनका काम जमीन पर काम करने वाले एस400 डिफेंस सिस्टम जैसा ही होगा, जो मिसाइलों से सुरक्षा देता है।

यह योजना 2024 के मध्य तब शुरू हुई, जब एक पड़ोसी देश का उपग्रह इसरो के एक सैन्य उपग्रह से सिर्फ 1 किलोमीटर की दूरी तक आ गया था। इस घटना को एक क्षमता का प्रदर्शन माना गया, जिसके बाद भारत ने अपनी अंतरिक्ष सुरक्षा को लेकर तैयारी तेज कर दी। चीन के पास 930 से ज्यादा उपग्रह हैं, जबकि पाकिस्तान के पास सिर्फ आठ हैं। चीन ने पहले भी पाकिस्तान को अपने सैटेलाइट कवरेज में मदद की है। अंतरिक्ष में बढ़ती सैन्य गतिविधियों को देखकर भारत को अपने उपग्रहों की सुरक्षा बढ़ाना जरूरी हो गया है। इस योजना पर करीब 2.7 लाख करोड़ रुपये (3 अरब डॉलर) खर्च होने का अनुमान है। इसके तहत 50 निगरानी उपग्रहों का एक बेड़ा तैयार किया जाएगा। इस बेड़े का पहला उपग्रह अगले साल लांच किया जा सकता है। भारत सरकार स्टार्टअप्स के साथ मिलकर लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग सैटेलाइट जैसी नई तकनीकों पर भी काम करने की सोच रही है। ये सैटेलाइट्स खतरों को जल्दी पहचानकर धरती पर बैठे ऑपरेटरों को समय पर चेतावनी दे पाएंगे। इस तरह, भारत का यह कदम न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा बल्कि अंतरिक्ष में उसकी रणनीतिक ताकत को भी बढ़ाएगा, जिससे चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की चालों का मुकाबला किया जा सकेगा। सरकारी सूत्रों का कहना है कि यह नई पहल भारत की एक व्यापक सुरक्षा योजना का हिस्सा है। इसके तहत करीब 2.7 लाख करोड़ रुपये (3 अरब डॉलर) की लागत से 50 निगरानी उपग्रहों का बेड़ा तैयार किया जाएगा। इसमें से पहला उपग्रह अगले साल लांच किया जा सकता है, जो भारत की अंतरिक्ष-आधारित निगरानी क्षमताओं को और मजबूत करेगा।

गलतफहमी के चलते बढ़ा विवाद, दर्ज हुआ 5 सौ से ज्यादा लोगों के खिलाफ मुकदमा

काशीपुर/कानपुर (एजेंसी)। गलतफहमी के चलते तनाव इतना बढ़ जाता है कि उसे संभालना मुश्किल हो जाता है। इसकी बानगी उत्तर प्रदेश से लेकर उत्तराखंड तक दिखाई दी। यहां एक पोस्टर में लिखा था आई लव मोहम्मद। इस पर विवाद शुरु हो गया। जबकि बाद में पता चला कि पोस्टर पर आई लव मोहम्मद लिखने से आपत्ति नहीं थी, बल्कि गलत जगह पर पोस्टर लगाने से विवाद बढ़ा था।

विवाद की शुरुआत उत्तर प्रदेश के कानपुर से हुई। यहां रावतपुर के सैयद नगर मोहल्ले से इस विवाद की शुरुआत 10 सितंबर को हुई थी जो अब देश के कई हिस्सों में फैल चुकी है। दरअसल, आई लव मोहम्मद को लेकर तूफान मचा है, लेकिन विवाद के पीछे की असल कहानी कुछ और ही है। मुकदमा 'आई लव मोहम्मद' लिखने पर नहीं बल्कि इसका बोर्ड गलत जगह लगाने पर दर्ज किया गया था। कुछ लोगों ने घटनाक्रम का रंग-रूप बदल कर इसे प्रचारित कर दिया। अब एक तरफ पुलिस लोगों को समझाने-बुझाने में जुटी है तो दूसरी तरफ कुछ लोग इस मुद्दे को तूल देकर बवाल बढ़ा रहे हैं।

उत्तराखंड में आई लव मोहम्मद वाला विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। यूपी के कानपुर से आगाज के बाद उत्तराखंड के काशीपुर में यह बड़ा बवाल बन चुका है। काशीपुर में पुलिस ने तीन के खिलाफ नामजद और 500 अज्ञात पर मुकदमा किया है। यूपी, उत्तराखंड के बाद महाराष्ट्र और तेलंगाना जैसे राज्यों तक भी तनाव फैल रहा है। सवाल उठता है कि आई लव मोहम्मद जैसा नारा क्यों और कैसे विवाद और तनाव की वजह बन गया? रावतपुर के सैय्यद नगर मोहल्ले में चार सितंबर को बारावफात की सजावट में आई लव मोहम्मदका बोर्ड रास्ते पर लगा था। कुछ लोगों ने इस पर विरोध जताया। विवाद होने पर पुलिस ने बोर्ड हटवाकर कार्यक्रम स्थल के पास लगवा दिया। अगले दिन कुछ युवकों ने एक धार्मिक पोस्टर फाड़ दिया। 10 सितंबर को इस मामले में मुकदमा दर्ज हुआ था। लेकिन इसे आई लव मोहम्मदके खिलाफ मुकदमे के तौर पर प्रचारित किया गया और बवाल बढ़ गया। मुस्लिम समुदाय के बीच यह संदेश फैल गया कि पुलिस ने आई लव मोहम्मद का पोस्टर लगाने पर एफआईआर दर्ज की। इसके विरोध स्वरूप मुस्लिम समुदाय के लोग जुलूस निकालने लगे। इसके अलावा लोग अपनी दुकानों और घरों पर भी आई लव मोम्मद का पोस्टर चिपका रहे हैं।

ऐसा ही एक जुलूस ऊधमसिंह नगर जिले के काशीपुर में निकाला गया। यहां करीब 500 लोगों की भीड़ नारेबाजी करते हुए सड़कों पर निकल पड़ी। कोतवाली एसएसआई अनिल जोशी ने बताया कि कि मोहल्ला अल्ली खां क्षेत्र में बिना अनुमति नदीम अख्तर, अनीस

गांधी, दानिश चौधरी के नेतृत्व में करीब 500 लोग जुलूस निकाल रहे थे, जिसे अल्ली खां चौराहे पर रोककर समझाने का प्रयास किया गया। लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद वहां बवाल हो गया था।

पुलिस पर भीड़ ने हमला कर दिया। दो पुलिसकर्मियों को दौड़ाकर पीटा। किसी तरह पुलिस कर्मी वहां से जान बचाकर भागे। इस दौरान पुलिस की 112 गाड़ी पर पथराव किया, जिससे शीशे टूट गए पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत सात को गिरफ्तार कर लिया है। 500 से अधिक लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

सीरिया में 5 अक्तूबर को संसदीय चुनाव

दमिश्क़, एजेंसी। सीरिया अपनी नई इस्लामिस्ट-नेतृत्व वाली सरकार के तहत पहला संसदीय चुनाव 5 अक्तूबर को आयोजित करेगा। सरकारी समाचार एजेंसी सना ने रविवार को यह जानकारी दी। इस चुनाव में 210 सदस्यीय पीपल्स असेंबली के लिए मतदान देश के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में होगा, हालांकि चुनाव आयोग ने तीन प्रांतों में सुरक्षा कारणों से मतदान स्थगित करने की जानकारी दी थी। नई संसद का काम सरकार-नियंत्रित आर्थिक नीतियों में बदलाव और विदेशी नीति समझौतों के अनुमोदन के लिए कानून पारित करना होगा। यह सदन देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की नींव रखेगा, जो पिछले दिसंबर में पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के सत्ता हटाए जाने के बाद शुरू हुई। आलोचक मानते हैं कि वर्तमान प्रणाली में अल्पसंख्यक समूहों की पर्याप्त भागीदारी नहीं है। चुनाव को सीरिया में राजनीतिक स्थिरता और प्रशासनिक सुधार की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ट्रंप ने बेन कार्सन को अमेरिका का सर्वोच्च सम्मान देने का किया एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को बेन कार्सन को प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम देने का एलान किया। यह अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। ट्रंप ने माउंट वर्नन में अमेरिकन कॉर्नरस्टोन इंस्टीट्यूट के एक कार्यक्रम में यह घोषणा की। कार्सन (74) एक पूर्व न्यूरोसर्जन हैं। उन्होंने 2016 के रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के चुनाव में ट्रंप के खिलाफ चुनाव लड़ा था। ट्रंप ने इस महीने तीसरी बार किसी को यह पुरस्कार देने का एलान किया है। इससे पहले, उन्होंने रूडी गिउलिआनी और चार्ली किर्क को मरणोपरांत यह सम्मान देने की घोषणा की थी।

चीन : कोविड व्हिसलब्लोअर झांग को चार साल और जेल

बीजिंग, एजेंसी। चीन में कोविड की व्हिसलब्लोअर को चार साल और कारावास की सजा सुनाई गई। पत्रकार को कोविड-19 विस्फोट के पहले दौर की रिपोर्टिंग के लिए चार वर्ष जेल की सजा पहले ही सुनाई जा चुकी है। अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता समूह आरएसएफ ने शनिवार को बताया कि झांग झान (42) को चीन में झगड़ा करने और उपद्रव भड़काने के आरोप में शुक्रवार को सजा सुनाई गई है। इन्हीं आरोपों में उन्हें दिसंबर 2020 में जेल की सजा हुई थी। तब उन्होंने कोरोना वायरस के शुरुआती प्रसार पर वुहान शहर से रिपोर्ट पोस्ट की थी। चीनी विदेश मंत्रालय ने फिलहाल इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। आरएसएफ एशिया-प्रशांत एडवोकेसी मैनेजर अलेक्जेंड्रा बिलाकोव्स्का ने एक बयान में कहा, उन्हें वैश्विक स्तर पर एक सूचना नायक के रूप में सम्मानित किया जाना चाहिए न कि जेल भेजा जाना चाहिए। झांग को शुरुआत में भीड़भाड़ वाले अस्पतालों व खाली सड़कों के वीडियो पोस्ट करने के कुछ महीनों बाद गिरफ्तार किया गया था।

डोमिनिकन गणराज्य ने अमेरिकी नौसेना द्वारा नष्ट की गई स्पीड बोट से जब्त की कोकीन

सैंटो डोमिंगो, एजेंसी। डोमिनिकन गणराज्य के अधिकारियों ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि उन्होंने उस स्पीड बोट से कोकीन जब्त की है, जिसे हाल ही में अमेरिकी नौसेना ने नष्ट कर दिया था। यह अभियान ट्रंप प्रशासन के दक्षिणी कैरेबियन में चल रहे विवादित नारकोटिक्स मिशन का हिस्सा है। डोमिनिकन गणराज्य के राष्ट्रीय मादक पदार्थ नियंत्रण निदेशालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्होंने स्पीड बोट से कोकीन के 377 पैकेट बरामद किए हैं, जिसमें कथित तौर पर 1,000 किलो मादक पदार्थ भरा हुआ था।

तुर्किये की मुख्य विपक्षी पार्टी ने दोबारा चुना अपना नेता

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये की मुख्य विपक्षी पार्टी ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को अपने नेता को दोबारा चुना। पार्टी का कहना है कि यह कदम सरकार की कोशिशों का सामना करने के लिए उठाया गया है, जो पार्टी के नेतृत्व को बदलना चाहती है। रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) के अध्यक्ष ओजगुर ओजेल ने कांग्रेस की शुरुआत में ही सभी सदस्यों से कहा कि वे उनके खिलाफ अविश्वास मत दें, ताकि नया चुनाव हो सके। अंत में उन्होंने सभी 835 वोटों के साथ जीत हासिल की। पार्टी का कहना है कि यह कदम इसलिए जरूरी था, क्योंकि अदालतें उन्हें हटा कर सरकार के समर्थन वाला व्यक्ति नियुक्त कर सकती थीं। सरकार पर पार्टी ने राजनीतिक दबाव डालने का आरोप लगाया है।

ट्रंप और मस्क में फिर हो गई दोस्ती? किर्क की श्रद्धांजलि सभा में साथ आए नजर, बातचीत भी हुई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को कंजर्वेटिव एक्टिविस्ट चार्ली किर्क के श्रद्धांजलि सभा में एक साथ देखा गया। दोनों एक-दूसरे से बातचीत करते भी नजर आए। व्हाइट हाउस के सोशल मीडिया अकाउंट से उनकी इस मुलाकात को हाइलाइट भी किया गया है। एलन मस्क ने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ एक्स पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने बस इतना लिखा, चार्ली के लिए। ट्रंप और मस्क के बीच लंबे समय के बाद यह पहली सार्वजनिक मुलाकात रही।

रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप से विवाद होने के चलते एलन मस्क ने स्पेशल गवर्नमेंट एंप्लॉयी के पद से इस्तीफा दिया था। मस्क ने मई के आखिर में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी के हेड के तौर पर काम छोड़ा था। उन्होंने ट्रंप प्रशासन की एक पॉलिसी को वित्तीय रूप से गैर-जिम्मेदार बताया था। इस्तीफा देने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर ट्रंप की तीखी आलोचना भी की थी। इसके जवाब में ट्रंप ने मस्क की कंपनियों के साथ फेडरल कॉन्ट्रैक्ट्स रद्द करने की धमकी दी थी। अब ट्रंप और मस्क मेमोरियल सर्विस में एक साथ दिखे हैं। यह उनके तनावपूर्ण रिश्ते में कुछ नरमी का संकेत देता है। वहीं, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मेमोरियल सर्विस में भावुक भाषण दिया। उन्होंने चार्ली किर्क के समर्थकों से कहा कि वे उनके विश्वास, सत्य और देश के लिए लड़ाई को जारी रखें। वेंस ने कहा, सोशल मीडिया पर कई लोग फॉर चार्ली की बात कर रहे हैं। हमें चार्ली के लिए ये करना होगा। चार्ली के लिए हम हर दिन सच बोलेंगे। चार्ली के लिए हम अमेरिका को फिर से महान बनाएंगे। चार्ली के लिए हम कभी पीछे नहीं हटेंगे, कभी डरेंगे नहीं और बंदूक की नोक पर भी डटकर मुकाबला करेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने चार्ली किर्क को दिया शहीद का दर्जा, पत्नी बोलीं- मैं हत्यारे को माफ करती हूं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मारे गए दक्षिणपंथी कार्यकर्ता चार्ली किर्क को अमेरिका की आजादी का शहीद घोषित कर दिया है। वहीं किर्क की पत्नी ने पति के हत्यारे को माफ कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को किर्क की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा है कि किर्क लोगों के दिलों में हमेशा जीवित रहेंगे। उन्होंने कहा, वह अमेरिका की आजादी के लिए जान देने वाले शहीद हैं। बता दें कि चार्ली किर्क डोनाल्ड ट्रंप के बेहद करीबी माने जाते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, उन्होंने बहुत मेहनत की। उन्होंने ही मुझे भी पूरे देश में जाने की सलाह दी थी। बता दें कि यूटा यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में संबोधन के दौरान उन्हें गर्दन पर गोली मार दी गई थी। उनकी हत्या के आरोप में 22 साल के टाइलर रॉबिन्स को गिरफ्तार किया गया है। सरकारी वकील का कहना है कि वह टाइलर के लिए मौत की सजा की मांग करेंगे। वहीं हत्या के पीछे का मकसद अब भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। राजनीतिक गलियारों में यही कहा जा रहा है कि किर्क वामपंथियों के लिए रोड़ा बन गए थे। इसलिए राजनीतिक साजिश के तहत उन्हें मरवाया गया। डोनाल्ड ट्रंप ने लिबरल्स पर भड़कते हुए कहा कि इस हत्या की जांच पूरी की जाएगी और हिंसा के पीछे जिनका भी हाथ है उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, किर्क अपने विरोधियों से भी घृणा नहीं करते थे। चार्ली किर्क की पत्नी एरिका किर्क भी इस कार्यक्रम में संबोधन के दौरान भावुक हो गईं। उन्होंने कहा, मैं उसे माफ करती हूं, क्योंकि ईसा मसीह ने जो कुछ किया, वही चार्ली ने भी किया है।

बता दें कि रॉबिन्सन पर किर्क की जानबूझकर हत्या करने का आरोप है। वहीं रॉबिन्सन के परिवार ने हत्या को लेकर कोई भी बयान देने से दूरी बना ली है। दोषी पाए जाने पर उसे मृत्युदंड, आजीवन कारावास, बिना पैरोल के आजीवन कारावास या कम से कम 25 साल की सजा हो सकती है। सजा और भी बढ़ाई जा सकती है क्योंकि उसने कथित तौर पर किर्क को उनके राजनीतिक विचारों के कारण निशाना बनाया और घटना बच्चों की मौजूदगी में हुई। किर्क की 10 सितंबर को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह गैर-लाभकारी राजनीतिक संगठन 'टर्निंग पॉइंट यूएसए' के सह-संस्थापक थे। उन्होंने इस संगठन की स्थापना ही यूनिवर्सिटी और कॉलेज में लिबरल्स का विरोध करने के लिए की थी। अमेरिका में उनका नेटवर्क इतना मजबूत हो गया था कि वामपंथी खौफ खाते थे। बीते साल उनके संगठन का रेवेन्यू 85 मिलियन डॉलर के करीब था। 2024 में उनका चैप्टर 3300 कॉलेजों तक फैल गया था।

अमेरिकी महिला ने एआई की मदद से जीती 1.25 करोड़ रुपये की लॉटरी

वर्जीनिया, एजेंसी। रिश्तों में सलाह देना हो या किसी की मन की बात सुनना, आज चैटजीपीटी कई तरह से लोगों की मदद कर रहा है। लेकिन अब यह लॉटरी जीतने में भी मददगार साबित हो रहा है। वर्जीनिया के मिडलोथियन शहर की रहने वाली कैरी एडवर्ड्स इसका ताजा उदाहरण हैं। उन्होंने आठ सितंबर को वर्जीनिया लॉटरी में चार सही नंबर और पावरबॉल मिलाकर लॉटरी जीत ली। पहले उन्हें 50 हजार अमेरिकी डॉलर (करीब 42 लाख रुपये) मिलने वाले थे। लेकिन उन्होंने पावर प्ले नाम का एक विकल्प चुना, जिसमें केवल एक डॉलर और जोड़ने पर इनाम तीन गुना हो गया। इस तरह उन्हें कुल 1,50,000 डॉलर (करीब 1.25 करोड़ रुपये) मिले।

चैटजीपीटी ऐप से पूछे नंबर अब सवाल यह है कि ये इनाम जीतने वाले नंबर उन्हें किसने बताए? ये नंबर चैटजीपीटी ने दिए। कैरी आमतौर पर लॉटरी नहीं खेलतीं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने फोन के चैटजीपीटी ऐप से नंबर पूछे। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने बताया, मैंने चैटजीपीटी से कहा- मुझसे बात करो...क्या तुम्हारे पास मेरे लिए कुछ नंबर हैं? फोन पर आए नोटिफिकेश ने कैरी को चौंका दिया दो दिन बाद जब वह एक बैठक में थीं, तो उनके फोन पर एक नोटिफिकेशन आया, जिसने उन्हें चौंका दिया। शुरुआत में उन्हें लगा कि यह कोई धोखाधड़ी है, लेकिन जब उन्होंने खबर की पुष्टि की तो उन्हें इस जिंदगी बदल देने वाली जीत पर भरोसा हुआ। उन्होंने कहा, जैसे ही यह इनाम मेरे पास आया तो मुझे तुरंत समझ आ गया कि मुझे इस पैसे का क्या करना है। मुझे लगा कि मुझे यह सब दान कर देना चाहिए, क्योंकि मुझे पहले ही बहुत कुछ मिला है। मैं चाहती हूं कि यह एक उदाहरण बने कि जब किसी को कुछ अच्छा मिले तो वह दूसरों की मदद करे। पैसे को नेक कामों में बांटने का किया फैसला कैरी एडवर्ड्स ने पूरे 1,50,000 डॉलर अच्छे कामों में बांटने का फैसला किया। पहला हिस्सा उन्होंने एक चैरिटी को दिया, जिसका नाम एसोसिएशन फॉर फ्रंटोटेम्पोरल डिजेनरेशन है। यह संस्था ऐसी बीमारी पर शोध करती है।

35 हजार मदरसों में बच्चों को खतरा, धार्मिक शिक्षा के नाम पर हो रहा यौन शोषण; संसदीय समिति ने चेताया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के मदरसों व स्कूलों में बच्चों के यौन शोषण संबंधी रिपोर्ट के सामने आने के बाद एक संसदीय समिति ने इस पर चिंता जताई। समिति ने मदरसों व स्कूलों में बच्चों को दुर्व्यवहार से बचाने के लिए कड़े कदम उठाने का आग्रह करते हुए कहा कि शिक्षा के नाम पर किसी भी बच्चे को कष्ट न सहना पड़े। पाकिस्तानी अंग्रेजी दैनिक डॉन में शुक्रवार को प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया कि सीनेटर समीना मुमताज जेहरी की अध्यक्षता में मानवाधिकारों पर सीनेट की कार्यात्मक समिति ने बृहस्पतिवार को पंजाब, सिंध व खैबर पख्तूनख्वा के मदरसों में दंड, यातना व यौन शोषण की परेशान करने वाली रिपोर्टों की समीक्षा के लिए एक बैठक की। संघीय व प्रांतीय विभागों के अधिकारियों ने समिति को इस मुद्दे के समाधान के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कदम का उद्देश्य वैध धार्मिक संस्थानों को निशाना बनाना नहीं बल्कि निगरानी व जवाबदेही के माध्यम से दुर्व्यवहार को खत्म करना है। सीनेटर जेहरी ने वित्तीय पारदर्शिता-निगरानी के अभाव पर जताई चिंता सीनेटर जेहरी ने इन संस्थानों के उचित पंजीकरण, वित्तीय पारदर्शिता व निगरानी के अभाव पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने मदरसों के नियमित निरीक्षण, अनिवार्य अभिभावक-शिक्षक सहभागिता, बाल संरक्षण पर शिक्षक प्रशिक्षण और शारीरिक दंड पर प्रतिबंध सहित कड़े कदम उठाने का आह्वान किया। सीनेटर ने दर्ज मामलों में दोषसिद्धि की बेहद कम दर पर भी प्रकाश डाला और चेतावनी दी कि अभियोजन और रोकथाम के बिना, दुर्व्यवहार का चक्र बेरोकटोक जारी रहेगा। सीनेटर मुमताज बोलीं-कमाई करने में लगे कई मदरसे सीनेटर समीना मुमताज जेहरी ने कहा कि कई मदरसे राष्ट्रीय शिक्षा ढांचे में एकीकृत होने के बजाय कमाई करने वाली प्रणालियों में बदल गए हैं। बैठक में अन्य सदस्यों ने बच्चों की सुरक्षा के लिए जिला-स्तरीय निगरानी और सुसंगत प्रांतीय कानूनों की सिफारिश की। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान में 35 हजार से ज्यादा मदरसे हैं, जहां हजारों बच्चे धार्मिक शिक्षा प्राप्त करते हैं।

तालिबान ने यौन उत्पीड़न से जुड़ी किताबें गैरकानूनी घोषित की, कुल 679 किताबों पर रोक; मानवाधिकार से जुड़ी पढ़ाई पर भी प्रतिबंध

काबुल, एजेंसी। तालिबान सरकार ने अफगानिस्तान की यूनिवर्सिटीज में यौन उत्पीड़न, मानवाधिकार और महिलाओं से जुड़े विषयों पर पढ़ाई जाने वाली किताबों पर रोक लगा दी। यह प्रतिबंध 28 अगस्त 2025 को लागू हुआ, जिसमें 679 किताबों को ÷शरिया और तालिबान नीतियों के खिलाफ÷ बताकर प्रतिबंधित किया गया। इनमें से 140 किताबें महिलाओं ने लिखीं थीं। तालिबान ने 18 विषयों को पढ़ाने पर भी रोक लगाई, जिनमें यौन उत्पीड़न, मानवाधिकार, महिलाओं की समाजशास्त्र और जेंडर स्टडी शामिल है। यह खबर हाल ही में सामने आई है।

तालिबान ने वाई-फाई पर भी रोक लगाई : यह कदम तालिबान के पिछले चार सालों में लगाए गए कई प्रतिबंधों की कड़ी में एक और नया फैसला है। हाल ही में उन्होंने 10 प्रांतों में वाई-फाई पर भी पाबंदी लगा दी थी। अधिकारियों का कहना है कि ऐसा अनैतिक गतिविधियों को रोकने के लिए किया गया। तालिबान के इस फैसले लेकिन इसका सबसे ज्यादा असर महिलाओं और लड़कियों पर पड़ा है। उन्हें पहले ही छठी कक्षा से आगे की पढ़ाई से रोका जा चुका है और अब दाई के पाठ्यक्रम, जो उनकी पढ़ाई का आखिरी सहारा थे, 2024 के आखिर तक बंद कर दिए जाएंगे। पुस्तकों की समीक्षा करने वाली समिति ने साफ कहा है कि अब महिलाओं की लिखी गई कोई भी किताब पढ़ाने की अनुमति नहीं होगी। अफगानिस्तान की पूर्व उप-न्याय मंत्री और लेखिका जकिया अदेली, जिनकी किताब भी इस सूची में शामिल है, ने कहा कि यह फैसला उन्हें चौंकाने वाला नहीं लगा। उनके मुताबिक तालिबान की नीतियां पहले दिन से ही स्त्री विरोधी रही हैं। अगर महिलाओं को पढ़ने की अनुमति नहीं है, तो उनके विचारों और लेखन को भी जगह नहीं दी जाएगी। बीबीसी के मुताबिक तालिबान के उच्च शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि फैसले धार्मिक विद्वानों और विशेषज्ञों की सलाह से लिए गए हैं। महिलाओं की किताबों के अलावा इस बार ईरानी लेखकों और प्रकाशकों की किताबों पर भी रोक लगाई गई है।

अफगानिस्तान में ईरान का प्रभाव रोकने में जुटा तालिबान : प्रतिबंधित सूची में शामिल 679 किताबों में से 310 या तो ईरानी लेखकों की हैं या ईरान में प्रकाशित हुई हैं। समिति के एक सदस्य ने बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया ताकि अफगान पाठ्यक्रम में ईरानी प्रभाव न बढ़ सके। दरअसल, हाल के सालों में अफगानिस्तान और ईरान के रिश्ते तनावपूर्ण रहे हैं। पानी के बंटवारे जैसे मुद्दों पर दोनों में टकराव हुआ है। इसके अलावा, ईरान ने इस साल जनवरी से अब तक 15 लाख से ज्यादा अफगानों को देश छोड़कर वापस जाने पर मजबूर किया है। ऐसे माहौल में ईरानी किताबों पर रोक को भी राजनीतिक फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए यह स्थिति बेहद मुश्किल बन गई है। एक प्रोफेसर ने कहा कि ईरानी लेखक और अनुवादक अब तक अफगान शिक्षा जगत और वैश्विक शैक्षणिक समुदाय के बीच पुल का काम करते थे। उनकी किताबें हट जाने से विश्वविद्यालयों में पढ़ाई के स्तर में बड़ी कमी आ जाएगी।

आपात स्थिति में फोन कॉल न जुड़ने के कारण चार की मौत, अब देशभर के संपर्क तंत्र में बदलाव की तैयारी

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की एक बड़ी टेलीकॉम कंपनी की तकनीकी खामी के कारण सैकड़ों लोग आपात स्थिति में संपर्क नहीं कर पाए, जिसके कारण चार लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद सरकार अब पूरे देश में संपर्क प्रणाली को दुरुस्त करने की बात कर रही है। ऑप्टस ऑस्ट्रेलिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी है। उसने बताया कि गुरुवार को एक तकनीकी खराबी के चलते 624 फोन कॉल आपातकालीन सेवा (000 नंबर) से नहीं जुड़ पाई। अमेरिका में आपात स्थिति में लोग 911 डायल करते हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया में 000 पर कॉल किया जाता है। जिन कॉल के दौरान दिक्कत आई, उनमें से चार

मामलों में लोगों की जान चली गई।

टेलीकॉम कंपनियों पर पहले भी लग चुका जुर्माना : यह पहली बार नहीं है, जब इस कंपनी पर ऐसी लापरवाही का आरोप लगा हो। पिछले साल नवंबर में भी नेटवर्क बंद होने के दौरान मदद के लिए फोन कर रहे लोग संपर्क नहीं कर पाए, जिस कारण कंपनी पर 1.2 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब आठ मिलियन अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया गया था। देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी टेल्स्ट्रा को भी पिछले साल दिसंबर में 30 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब दो मिलियन अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना देना पड़ा था, क्योंकि उसके केंद्र में तकनीकी खामी आने से लोग समय पर संपर्क नहीं कर पाए थे।

सख्त कार्रवाई करेंगे: ऑस्ट्रेलियाई सूचना मंत्री : ऑस्ट्रेलिया की सूचना मंत्री अनिका वेल्स ने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, ऑप्टस और अन्य सभी कंपनियों की यह जिम्मेदारी है कि लोग जब भी किसी परेशानी में हों, तो उनका संपर्क बिना किसी बाधा के हो। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी और सभी कंपनियों को अब सतर्क रहना होगा। इस चूक के लिए ऑप्टस को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। ऑप्टस के प्रमुख स्टीफन रुए ने इस घटना पर दुख जताया और माफी मांगी। उन्होंने कहा, मैं उन चार लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करता हूं, जो जरूरत के समय मदद नहीं ले पाए। उन्होंने माना कि शुरुआती जांच में ये सामने आया है कि तय तरीकों का पालन नहीं किया गया। जिन राज्यों में यह दिक्कत हुई, उनमें उत्तरी क्षेत्र, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया और न्यू साउथ वेल्स शामिल हैं। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की राजधानी पर्थ में एक 74 साल के बुजुर्ग और एक 49 साल के व्यक्ति की मौत हुई।

मोरक्को में बोले राजनाथ सिंह- एक दिन पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर कहेगा- मैं भी भारत हूं..,

रबात (मोरक्को), एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय मोरक्को दौरे पर हैं। इस दौरान रबात में उन्होंने भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात भी की। राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा, हमारा भारत के प्रति समर्पण, स्नेह और प्रेम स्वाभाविक है। हम दुनिया में कहीं भी रहें, यह नहीं भूलना चाहिए कि हम भारतीय हैं। भारतीय होने के नाते हमारी जिम्मेदारियां भी दूसरों से अलग होती हैं। अगर हम मोरक्कों में अपनी रोजी-रोटी कमा रहे हैं अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं, तो मोरक्को के साथ कोई बेईमानी नहीं होनी चाहिए, यही भारत का स्वभाव है।

भारत कुछ कहता है तो ध्यान से सुनती है दुनिया : उन्होंने कहा, मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि आप सभी भार की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती प्रतिष्ठा को महसूस कर पा रहे हैं। पहले जब भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कुछ कहता था, तो उसे गंभीरता से नहीं लिया जाता था। लेकिन आज भारत कुछ कहता है, तो पूरी दुनिया ध्यान देती है और सुनती है। पहले ऐसा नहीं था। तमाम वैश्विक और भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद भारत आज दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

स्टार्टअप्स और नवाचार का वैश्विक केंद्र बन रहा भारत : राजनाथ सिंह ने कहा, भारत स्टार्टअप्स और नवाचारों का एक वैश्विक केंद्र बनता जा रहा है। 2014 में केवल 500 स्टार्टअप थे और आज यह संख्या बढ़कर 1.60 लाख हो गई है। 2014 में जहां केवल 18 यूनिकॉर्न थे, आज उनकी संख्या बढ़कर 118 हो गई है।

ऑपरेशन सिंदूर पर रक्षा मंत्री ने क्या कहा : रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, क्या पार्ट-2 या पार्ट-3 होगा, यह कहना मुश्किल है। यह पाकिस्तान के व्यवहार पर निर्भर करता है। अगर वह आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहता है, तो उसे जवाब मिलेगा। पहलगाम में हमारे 26 लोग मारे गए थे। इससे पहले उनसे उनका धर्म पूछा गया था। मैंने 23 अप्रैल को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस), तीनों सेनाओं के प्रमुखों और रक्षा सचिव के साथ बैठक में पहला सवाल पूछा था कि अगर सरकार ऐसा फैसला लेती है तो क्या वे इस ऑपरेशन के लिए तैयार हैं। इसके बाद हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संपर्क किया। उन्होंने हमें आगे बढ़ने की पूरी छूट दी। आपने देखा होगा उसके बाद क्या हुआ। सीमा पर नहीं, हमने उनके अंदर सौ किलोमीटर तक आतंक के ठिकाने नष्ट कर दिए। जैश-ए-मोहम्मद के एक शीर्ष आतंकवादी ने कहा कि भारत के हमले में मसूद अजहर का परिवार बिखर गया।

24 घंटे में 4 देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता दी:ब्रिटेन-कनाडा शामिल, अब तक 150 देश कर चुके समर्थन

लंदन, एजेंसी। पिछले 24 घंटे में ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और पुर्तगाल ने फिलिस्तीन को औपचारिक तौर पर एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दे दी। इससे फिलिस्तीन को मान्यता देने वाले देशों की संख्या अब करीब 150 हो गई है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि दो राष्ट्र समाधान ही शांति का रास्ता है। वहीं पुर्तगाल के विदेश मंत्री पाउलो रेंजेल ने कहा कि फिलिस्तीन को मान्यता देना ही स्थायी शांति का एकमात्र रास्ता है। इस कदम से इजराइल पर गाजा में मानवीय संकट कम करने का दबाव बढ़ा है। हालांकि, अमेरिका अब भी फिलिस्तीन को एक देश के तौर पर मान्यता नहीं देता है। वहीं, फ्रांस ने भी ऐलान किया है कि वह इस हफ्ते यूएन में फिलिस्तीन को मान्यता देने के पक्ष में वोट करेगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश जारी कर फिलिस्तीन को मान्यता देने का ऐलान किया। नेतन्याहू बोले- यह कदम आतंकवाद को इनाम देना वहीं, इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि फिलिस्तीन को आजाद देश मानना आतंकवाद को इनाम देना है। जॉर्डन नदी के पश्चिम में फिलिस्तीनी देश नहीं बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने वेस्ट बैंक में यहूदी बस्तियों को दोगुना कर दिया है और इसे और बढ़ाएंगे। नेतन्याहू ने चेतावनी दी कि वह इस मान्यता का जवाब अमेरिका से लौटने के बाद देंगे।

75% देश फिलिस्तीन को मान्यता दे चुके : फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से करीब 75% देश मान्यता दे चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र में इसे 'परमानेंट ऑबजर्वर स्टेट' का दर्जा हासिल है। इसका मतलब है कि फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रमों में शामिल होने की अनुमति तो है लेकिन वोटिंग का अधिकार नहीं है। फ्रांस की मान्यता मिलने के बाद फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

के 5 में 4 स्थाई देशों का समर्थन मिल जाएगा। चीन और रूस दोनों ने 1988 में फिलिस्तीन को मान्यता दी थी। ऐसे में अमेरिका इकलौता देश होगा जिसने फिलिस्तीन को मान्यता नहीं दी है। उसने ने फिलिस्तीनी अथॉरिटी को मान्यता दी है। फिलिस्तीनी अथॉरिटी 1994 में इसलिए बनाई गई थी ताकि फिलिस्तीनियों के पास अपनी स्थानीय सरकार जैसी व्यवस्था हो और आगे चलकर यह पूरा राज्य बनने की नींव बन सके। ब्रिटेन ने क्यों लिया फैसला? ब्रिटिश पीएम ने कहा कि यह फैसला इजराइल को सजा देने के लिए नहीं लिया गया है, लेकिन अगर इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने गाजा में सैन्य कार्रवाई को कम हिंसक तरीके से और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करते हुए किया होता, तो शायद यह कदम न उठाया जाता। इससे पहले ब्रिटिश डिप्टी पीएम डेविड लैमी ने कहा था कि अगर ब्रिटेन फिलिस्तीन को मान्यता देता है, तो इसका मतलब यह नहीं होगा कि कोई नया देश तुरंत बन जाएगा। उन्होंने कहा कि मान्यता सिर्फ एक शांति प्रक्रिया का हिस्सा है। लैमी ने बताया कि ऐसा कदम इसलिए उठाया जा रहा है ताकि 'टू स्टेट सॉल्यूशन' की उम्मीद बनी रहे। कनाडा बोला- फिलिस्तीन लोकतांत्रिक देश बनेगा कनाडा के पीएम मार्क कार्नी का कहना है कि यह कदम मध्य पूर्व में शांति लाने और टू-स्टेट सॉल्यूशन को बचाने के लिए है। इस समाधान में फिलिस्तीन एक आजाद और लोकतांत्रिक देश बनेगा, जो इजराइल के साथ शांति से रहेगा। कनाडा ने कहा कि वह फिलिस्तीन को मान्यता देकर शांति की उम्मीद बनाए रखना चाहता है। यह कदम हमास का समर्थन नहीं करता, बल्कि मांग करता है कि हमास बंधकों को छोड़े, हथियार डाले, और फिलिस्तीन की सरकार में कोई भूमिका न ले।

वहीं, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा- ऑस्ट्रेलिया फिलिस्तीनी लोगों की आजाद देश की इच्छा का सम्मान करता है। यह कदम टू-स्टेट सॉल्यूशन के लिए हमारी पुरानी कोशिश को दिखाता है, जो इजराइल और फिलिस्तीन के लिए शांति लाने का एकमात्र रास्ता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ऑफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

3 दिन में 10 करोड़ से ज्यादा की व्हेल की उल्टी बरामद

कपड़ा व्यापारी, टूर एजेंट और फिशरी एक्सपोर्टर गिरफ्तार

इससे पहले एंटीक जानकार किसान की हुई थी गिरफ्तारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) ने हाल ही में किए गए एक बड़े ऑपरेशन में 'तरता सोना' (Floating Gold) कहे जाने वाले स्पर्म व्हेल की उल्टी (एंबरग्रीस)के करोड़ों के अवैध कारोबार का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तीन अलग-अलग पेशे से जुड़े व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है—एक कपड़ा व्यापारी, एक टूरिज्म एजेंट और एक फिशरी एक्सपोर्टर। इस दौरान पुलिस ने 5.04 करोड़ रुपये मूल्य का एंबरग्रीस बरामद किया।

पिछले तीन दिनों में सूरत पुलिस ने 10 करोड़ रुपये से ज्यादा मूल्य का यह दुर्लभ पदार्थ जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों

को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए गुजरात फॉरेस्ट विभाग को सौंपा गया है। तीन दिन पहले ही SOG ने एक एंटीक जानकार किसान को भी गिरफ्तार किया था।

सूरत स्क्वड को सूचना मिली थी कि एंबरग्रीस का बड़ा जखीरा बेचने के लिए तीन व्यक्ति सूरत आने वाले हैं।

सूचना के आधार पर भूलकां विहार स्कूल के सामने, जिर्कोन एरेना, भाठा गांव के पास निगरानी रखी गई। निगरानी के दौरान बताए अनुसार तीनों आरोपी एक कपड़े की थैली के साथ दिखाई दिए। जब पुलिस ने उनकी तलाशी ली तो थैली से 5.049 किलो वजनी एंबरग्रीस बरामद हुआ, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 5.04 करोड़ रुपये आंकी गई।

उसामा खान बदरुद्दीन पठान (उम्र 35) नवसारी के डाभेल गांव का निवासी। असली पहचान कपड़ा व्यापारी की है, लेकिन गुप्त रूप से एंबरग्रीस के इस अवैध धंधे में शामिल था।

मोइनुद्दीन मंसूर मंसूरी (उम्र 29)वेरावल की बाग-ए-रहमत कॉलोनी का रहने वाला। टूर एंड ट्रैवल्स का धंधा करता है। शक है कि अपने धंधे का उपयोग उसने च्फ्लोटिंग गोल्डज्ज को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए किया।

वसीम इकबाल मुल्ला (उम्र 38)वेरावल की बाग-ए-यूसुफ कॉलोनी का निवासी और फिशरी एक्सपोर्ट का धंधा करता है। यह सबसे चौंकाने वाला खुलासा है,

क्योंकि फिशरी व्यापार से जुड़े होने के कारण उसे समुद्री जीव और उनके उत्पादों की जानकारी स्वाभाविक रूप से थी। यही वजह रही कि वह एंबरग्रीस तक पहुंच पाया। उसने बयान दिया कि उसे यह व्हेल की उल्टी किसी अज्ञात व्यक्ति ने दी थी। अब वन विभाग जांच करेगा कि यह सामग्री उसे वास्तव में किससे मिली।

एंबरग्रीस स्पर्म व्हेल मछली के पाचन तंत्र से निकलने वाला एक प्राकृतिक मोम जैसा पदार्थ है। यह कभी-कभी समुद्र किनारे बहकर आ जाता है या समुद्र में तैरता हुआ दिखाई देता है। शुरुआत में इसकी गंध बेहद तेज और बदबूदार होती है, लेकिन समय बीतने के साथ इसमें मीठी और आकर्षक खुशबू आने लगती है। यही कारण है कि इसका उपयोग परफ्यूम इंडस्ट्री में किया जाता है, जहां यह खुशबू को लंबे समय तक टिकाए रखने का काम करता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी भारी मांग और करोड़ों की कीमत के कारण इसे 'फ्लोटिंग गोल्ड' कहा जाता है। भारत समेत कई देशों में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (Wildlife Protection Act, 1972) के तहत इसका व्यापार गैरकानूनी है।

सूरत की सिविल अस्पताल फिर विवादों में

आसाराम की फोटो के साथ आरती करने पर मचा बवाल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की नई सिविल अस्पताल एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गई है। सोमवार (22 सितंबर) को बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम बापू के भक्तों के एक समूह ने अस्पताल की स्टेम सेल बिल्डिंग के गेट पर उनकी तस्वीर लगाकर आरती की। इस घटना ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया, क्योंकि अस्पताल की अधीक्षक डॉ. धरित्री परमार को इसकी कोई जानकारी नहीं थी और न ही कोई अनुमति ली गई थी।

मिली जानकारी के अनुसार, नई सिविल अस्पताल में आसाराम बापू के अनुयायियों ने आरती का आयोजन किया था। इस दौरान मंत्रोच्चार और भजन गाए गए। हैरानी की बात यह रही कि अस्पताल के कुछ ड्यूटी पर मौजूद अधिकारी भी इसमें शामिल हुए, जिनमें पीडियाट्रिक विभाग की वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. जिगीशा पाटडिया का भी नाम सामने आया है। इतना ही नहीं, वहां मौजूद सुरक्षा जवान भी इस पूजा में शामिल हुए।

स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस घटना का वीडियो भी रिकॉर्ड किया है। उल्लेखनीय है कि आसाराम बापू को 2018 में कोर्ट ने बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और 2023 में गांधीनगर कोर्ट ने भी सूरत की एक महिला से दुष्कर्म मामले में उन्हें आजीवन कारावास की सजा दी थी। ऐसे गंभीर अपराधी की पूजा सिविल अस्पताल जैसी सार्वजनिक संस्था में होना गंभीर सवाल खड़े करता है।

नई सिविल अस्पताल की स्टेम सेल बिल्डिंग में यह घटना होने के बावजूद अधीक्षक डॉ. धरित्री परमार को इसकी कोई जानकारी नहीं थी।

विवाद सामने आने के बाद इसे दबाने का भी प्रयास किया गया। गौरतलब है कि सिविल अस्पताल में जब भी कोई विवाद होता है, अधीक्षक अक्सर जिम्मेदारी से बचते हुए दोष दूसरों पर मढ़ देती हैं। इस मामले में जब डॉ. धरित्री परमार से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कहा कि वे छुट्टी पर और आउट ऑफ स्टेशन हैं।

इस घटना ने सूरत सिविल अस्पताल के प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सूरत के वेलेंजा इलाके की सोसायटी में एक अजीब घटना

अचानक जमीन धंसने से बेंच पर बैठे बुजुर्ग गड्ढे में गिरे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वेलेंजा इलाके की श्याम रेसिडेंसी सोसायटी में एक अजीब घटना हुई। सोसायटी के गेट के पास एक बुजुर्ग बेंच पर बैठे थे, तभी अचानक ड्रेनेज लाइन टूट गई और वहां बड़ा गड्ढा बन गया। जमीन धंसने से बुजुर्ग उसमें गिर गए। इस घटना से सोसायटी में अफरातफरी मच गई।

मिली जानकारी के अनुसार, श्याम रेसिडेंसी के गेट पर ड्रेनेज लाइन टूटने से बड़ा धंसाव हुआ। उसी समय बुजुर्ग बेंच पर बैठे थे। अचानक जमीन धंसने से वे गड्ढे में जा गिरे। यह देखकर सोसायटी के लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

घटना की जानकारी मिलते ही फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद फायरकर्मियों ने बुजुर्ग को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सौभाग्य से उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई।

इस घटना से सोसायटी के लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। लोगों ने इसके लिए डेवलपर को जिम्मेदार ठहराया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। लोगों का कहना है कि ऐसी घटनाएं सोसायटी के निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

गंभीर दुर्घटना टल जाने से लोगों ने राहत की सांस ली। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए प्रशासन उचित कदम उठाए।

बाइक पर जाते दोस्त पर बैट से हमला, CCTV में कैद

एक वार के बाद भी नहीं रुका,ऊपर-नीचे 8 वार कर सिर फोड़ डाला; हेलमेट ने बचाई जान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अठवालाइंस इलाके में दोस्ती और दुश्मनी की सीमा तोड़ती एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पुरानी रंजिश के चलते चलते हुए बाइक सवार दोस्त पर क्रिकेट बैट से हमला कर उसे नीचे गिरा दिया गया। इसके बाद आरोपी ने उसके सिर पर लगातार 7 और वार किए। हालांकि युवक ने हेलमेट पहन रखा था, जिससे उसकी जान बच गई। लेकिन हेलमेट उतारने के बाद एक वार सीधे सिर पर लग गया, जिससे उसका सिर फट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पूरी घटना ष्टष्टञ्जङ्क में कैद हो गई है। पुलिस ने इस मामले में क्रॉस-शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सूरत के अंबाजी के खांचा इलाके में सुवर्ण पैलेस के पास रात करीब सवा दस बजे शिकायतकर्ता राहुल दिलीपभाई निमन (उम्र 34) अपने दोस्त भद्रेश शाकले के साथ बाइक से गुजर रहे थे। तभी सामने से आई बाइक पर सवार दो युवकों में से एक — जिसका नाम पंकज बगा सामने आया — अचानक बाइक से उतरा और बिना झिझक अपने हाथ में पकड़े क्रिकेट बैट से राहुल के सिर पर जोरदार वार किया। अचानक हुए इस हमले से राहुल का बैलेंस बिगड़ गया और वह अपने दोस्त के साथ गिर पड़ा। इसके बाद भी पंकज रुका नहीं और नीचे गिरे राहुल पर लगातार वार करता रहा।

पंकज ने राहुल पर लगातार सात वार किए, लेकिन हेलमेट होने से उसकी जान बच गई। जब राहुल ने स्थिति संभालने के लिए हेलमेट उतारा, तभी पंकज ने फिर से बैट उठाकर उसके सिर पर जोरदार वार कर दिया। यह सीधा वार सिर पर लगते ही राहुल बेहोश होकर गिर पड़ा। कुल आठ वार किए गए थे। इस दौरान राहुल के दोस्त भद्रेश को भी मारा गया।

जांच में सामने आया कि इस हमले के पीछे एक मामूली विवाद था। शिकायतकर्ता राहुल के अनुसार, 17 सितंबर की रात वे अपने पुराने घर के पास एक महिला से बात कर रहे थे। तभी पंकज बगा, सुमित बगा और गोपाल बगा वहां पहुंचे। महिला से बात करने की बात पर पंकज ने गाली-गलौज की और झगड़ा शुरू किया। सुमित और गोपाल ने राहुल को पकड़ लिया और पंकज ने बैट से वार किया। सुमित ने जान से मारने की धमकी भी दी और फिर सभी वहां से भाग गए। दूसरी ओर, आरोपी पक्ष का कहना है कि इस हमले से पहले राहुल ने पंकज के भाई को पीटा था, जिसके चलते यह घटना हुई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

SMC का ई-व्हीकल के लिए मुफ्त पार्किंग का प्रस्ताव, फिर भी कॉन्ट्रैक्टर वसूल रहे हैं चार्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर सूरत महानगर पालिका ने ग्रीन व्हीकल पॉलिसी लागू कर दी है और इसके साथ ही सूरत देश का पहला नगर निगम बन गया है। इस पॉलिसी के चलते ई-व्हीकल खरीदने वालों को तीन हजार से लेकर एक लाख रुपए तक टैक्स में फायदा मिल सकता है। लेकिन सूरत नगर निगम की पे-एंड-पार्क की व्यवस्था के कॉन्ट्रैक्टर इस पॉलिसी पर पानी फेरते नजर आ रहे हैं।

नगर निगम ने निर्णय लिया है कि पे-एंड-पार्क में ई-व्हीकल के लिए मुफ्त पार्किंग और 10 प्रतिशत जगह आरक्षित रखी जाएगी। लेकिन कॉन्ट्रैक्टरों ने इसके उलट पार्किंग स्थलों पर बोर्ड लगाकर इलेक्ट्रिक वाहनों का चार्ज वसूलना शुरू कर दिया है। ई-व्हीकल चालकों से न सिर्फ शुल्क लिया जा रहा है, बल्कि जब वे पालिका की नीति का हवाला देते हैं, तब उनके साथ बदतमीजी से व्यवहार भी किया जाता है।

ग्रीन व्हीकल पॉलिसी की घोषणा करने वाला देश का पहला शहर सूरत होने के बावजूद कॉन्ट्रैक्टरों का यह रवैया पालिका की नीति के खिलाफ है। पालिका ने ग्रीन पॉलिसी की सफलता के लिए नियम बनाए हैं, लेकिन कॉन्ट्रैक्टर खुलेआम इन नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। सूरत के कई पे-एंड-पार्क स्थलों पर ई-व्हीकल का चार्ज लिया जा रहा है।

कॉन्ट्रैक्टरों की इस मनमानी से ई-व्हीकल मालिकों में गहरा आक्रोश देखने को मिल रहा है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि नगर निगम के प्रस्ताव के बावजूद कॉन्ट्रैक्टरों को ई-व्हीकल पर चार्ज वसूलने की इजाजत किसने दी? ग्रीन व्हीकल पॉलिसी का उद्देश्य प्रदूषण कम करना और नागरिकों को ई-व्हीकल खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना था, लेकिन कॉन्ट्रैक्टरों की हरकतों से यह नीति विफल होती दिख रही है। नगर निगम की नीति के खिलाफ जाकर पे-एंड-पार्क में ई-व्हीकल से शुल्क वसूलने वाले कॉन्ट्रैक्टरों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग की जा रही है।

रिहायशी सोसायटी-गलियों की नवरात्रि को मिला आधुनिक टच, दस दिन के लिए दस ड्रेस कोड घोषित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में बारिश के माहौल के बीच नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है और शहर की रिहायशी सोसायटी अब नवरात्रि को आधुनिक रंग देने लगी हैं। पिछले कुछ वर्षों से सोसायटी में गरबा को यूनिक बनाने के लिए नवरात्रि के दस दिनों के लिए खिलाड़ियों (खेलैयाओं) के लिए ड्रेस कोड घोषित किए जाते हैं और उसी अनुसार लोग गरबा-डांडिया खेलते नजर आते हैं।

सूरत में व्यावसायिक (धंधादारी) गरबा के बीच गली और रिहायशी सोसायटी के गरबा का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। इसके अलावा, व्यस्त जीवन जीने वाले सोसायटी के रहवासी नवरात्रि को आपसी एकता का पर्व मानकर भी मना रहे हैं। महंगे पास और टिकट वाले बड़े गरबा कार्यक्रम मध्यम वर्ग की पहुंच से बाहर होते हैं, इसलिए सोसायटी में ही आधुनिक टच के साथ गरबा होने से कई यंगस्टर्स भी वहीं गरबा खेलने लगे हैं। नवरात्रि के कारण सोसायटी और गलियों में एकता बढ़ रही है, जहां बुजुर्ग, युवा और बच्चे सब एक साथ गरबा खेलते नजर आते हैं।

युवाओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए सोसायटी के सदस्यों ने खिलाड़ियों के लिए दस दिनों के दस ड्रेस कोड तय किए हैं। इनमें एक दिन व्हाइट डे, दूसरे दिन रेड दुपट्टा डे, तीसरे दिन पेस्टल कलर डे, इसके अलावा ब्लू डे, ब्लैक डे, सेमी-ट्रेडिशनल डे, ट्रेडिशनल डे, गाउन-गॉगल्स डे, कुर्ती डे जैसे ड्रेस कोड शामिल हैं। इन कोड्स के मुताबिक खिलाड़ी ग्राउंड में उतरने लगे हैं, जिससे अद्भुत नजारे देखने को मिल रहे हैं। साथ ही कुछ सोसायटी एक दिन डी.जे. डे मना कर थकान मिटाने की भी योजना बना रही हैं।

कुछ रिहायशी क्षेत्रों में वेस्टर्न आउटफिट पर प्रतिबंध

सूरत की कई सोसायटी में खिलाड़ियों के लिए ड्रेस कोड घोषित करने के साथ-साथ कुछ सोसायटी ने वेस्टर्न आउटफिट पहनकर आने वालों पर प्रवेश प्रतिबंध लगा दिया है।

पिछले कुछ समय से नवरात्रि में ट्रेडिशनल ड्रेस के नाम पर शरीर को उजागर करने वाले आउटफिट पहनने का ट्रेंड बढ़ा है। इसके अलावा कई लोग वेस्टर्न ड्रेस पहनकर भी गरबा खेलने आने लगे हैं। लेकिन कुछ सोसायटी में ऐसे आउटफिट पर रोक लगा दी गई है। बुजुर्गों का कहना है कि जब सभी परिवार के साथ मिलकर गरबा खेलते हैं, तो इस तरह का ड्रेस पहनना उचित नहीं लगता। इसी कारण सोसायटी के पदाधिकारियों ने मिलकर निर्णय लिया है कि वेस्टर्न आउटफिट पहनकर कोई भी व्यक्ति सोसायटी कैंपस में गरबा नहीं खेल सकेगा।

अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट जयंती महोत्सव में बुजुर्गों का हुआ सम्मान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट द्वारा महाराजा अग्रसेनजी की जयंती

के उपलक्ष्य में सोमवार को कार्यक्रम का आयोजन डुमस स्थित अग्र-एक्जोटिका में किया गया। आयोजन की शुरुआत महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस मौके पर ट्रस्ट द्वारा 80 वर्ष से अधिक आयु के अग्र बंधुओं को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष नटवरलाल टाटनवाला ने बताया की समाज के आदरणीय बुजुर्गों का अनुभव और आशीर्वाद समाज की सबसे बड़ी पूंजी है। सचिव ब्रिजमोहन अग्रवाल ने बताया की आज हम अग्रसेनजी की जयंती मना रहे है, यह हमारे लिए एक त्यौहार से कम नहीं है। कार्यक्रम में जयंती महोत्सव के मुख्य संयोजक, संयोजक, महिला एवं युवा टीम को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के सुरेंद्र अग्रवाल, सीए महेश मित्तल, चिरंजीलाल अग्रवाल, नंदकिशोर तोला, श्याम सुंदर सिहोटिया, सीए नितेश अग्रवाल, पुखराज अग्रवाल, महिला शाखा अध्यक्षा मनीषा कजारिया, युवा शाखा अध्यक्ष देवन अग्रवाल के अलावा अनेकों सदस्य उपस्थित रहें। आयोजन के साथ 13 सितंबर से चल रहे जयंती महोत्सव का समापन हुआ।

गैरकानूनी निर्माण और लीज मामले में सेवन्थ डे स्कूल को एक और नोटिस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद के खोकरा इलाके में स्थित सेवन्थ डे स्कूल में छात्रा की हत्या के बाद AMC ने स्कूल को दूसरी नोटिस जारी की है। स्कूल में हुए गैरकानूनी निर्माण और लीज विवाद को लेकर AMC ने यह कार्रवाई की है। स्कूल का प्रबंधन नगर निगम के आदेशों को गंभीरता से नहीं ले रहा है।

अहमदाबाद की सेवन्थ डे स्कूल में छात्रा की हत्या के मामले की गूंज पूरे राज्य ही नहीं, बल्कि पूरे देश में सुनाई दी थी। इसके बाद AMC प्रशासन ने भी स्कूल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की। इसी क्रम में सेवन्थ डे स्कूल को दूसरी नोटिस भेजी गई है। AMC ने स्कूल से गैरकानूनी निर्माण और लीज संबंधी मुद्दों पर स्पष्टीकरण मांगा है।

नोटिस जारी होने के बावजूद स्कूल का प्रबंधन AMC की अनदेखी कर रहा है और अपनी मनमानी जारी रखे हुए है।